twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 21 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 245, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा को तैयार

नड्डा की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा की अध्यक्षता में रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर समेत सभी मुद्दों पर निर्धारित नियमों के तहत चर्चा के लिए तैयार है। 17 विधेयकों पर चर्चा होगी। राजनीतिक दलों की अलग-अलग विचारधारा हो सकती है, लेकिन सदन अच्छी तरह से चले, यह सरकार के साथ विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि संसद सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के फ्लोर नेताओं की एक बैठक हुई। आज 51 दलों के 54 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। 40 लोगों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। यह बहुत रचनात्मक थी। सभी राजनीतिक नेताओं ने अपनी पार्टियों की स्थिति और उन मुद्दों के बारे में बताया, जो वे इस सत्र में लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर समेत सभी मुद्दों पर निर्धारित नियमों के तहत चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों की अलग-अलग विचारधारा हो सकती है, लेकिन सदन अच्छी तरह से चले यह सरकार के साथ विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है। किरेन रिजिजू ने कहा कि छोटे राजनीतिक दलों, खासकर जिनके पास 1-2 सांसद हैं, को बोलने के लिए कम समय मिलता है, क्योंकि समय उनकी संख्या के अनुसार आवंटित किया जाता है। लेकिन हमने इसका संज्ञान लिया है। हम छोटे दलों को पर्याप्त समय आवंटित करने पर सहमत हुए हैं। हम इसे लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के समक्ष रखेंगे और फिर हम इस मुद्दे को कार्य मंत्रणा समिति में उठाएंगे।

बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, शिरोमणि अकाली दल से हरसिमरत कौर, भाजपा के अर्जुन राम मेघवाल, कांग्रेस से गौरव गगोई, एआईएडीएमके से थंबी दुरई पहुंचे। एनसीपी-एसपी से सुप्रिया सुले, शिवसेना से श्रीकांत शिंदे, डीएमके से टीआर बालू, आरजेडी से प्रेमचंद्र गुप्ता, जेडीयू से संजय झा, समाजवादी पार्टी से प्रोफेसर राम गोपाल यादव, कांग्रेस से प्रमोद तिवारी और के. सुरेश बैठक में पहुंचे।

इसके अलावा सर्वदलीय बैठक में चंद्रशेखर आजाद, अनुप्रिया पटेल, रामदास आठवले, तिरुचि शिवा सहित कई नेता पहुंचे।

बिहार में 42 लाख मतदाता अपने पतों पर नहीं मिले: चुनाव आयोग

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में लगभग 42 लाख मतदाता अपने पतों पर नहीं मिले, जबकि 7.50 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने कई स्थानों पर अपना नाम दर्ज कराया है। राज्य की मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण में लगभग 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 95.92 प्रतिशत मतदाताओं को शामिल किया जा चुका है। इस प्रक्रिया के लिए अभी छह दिन और बाकी हैं।

प्रत्येक मतदाताओं तक पहुंचने का किया जा रहा प्रयास: चुनाव आयोग

चुनाव आयोग ने कहा है कि वह अपने बूथ स्तरीय अधिकारियों और राजनीतिक दलों के एजेंटों के माध्यम से प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अगस्त में प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची से कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए। गणना प्रपत्र भरने के लिए छह दिन और शेष होने के साथ चुनाव आयोग ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि शेष लगभग 32 लाख मतदाताओं को मसौदा सूची में जोड़ा जाए।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी

नई दिल्ली। जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 100 से ज्यादा सांसदों के हस्ताक्षर एकत्रित कर लिए गए हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाभियोग प्रक्रिया के लिए सांसदों के आवश्यक हस्ताक्षरों के लिए प्रोसेस जारी है और आंकड़ा पहले ही 100 को पार कर चुका है। बता दें कि जस्टिस वर्मा के अपने आवास पर जले हुए कैश के बंडल बरामद होने के बाद मामला संज्ञान में आया था और तब से ही जस्टिस वर्मा की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में महाभियोग लाने के सवाल पर रिजिजू ने कहा कि यह सिर्फ सरकार का कदम नहीं है।

प्रधानमंत्री को सदन में अहम मुद्दों पर बोलना चाहिए: गौरव

नई दिल्ली

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता और असम प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मानसून सत्र में संसद में भाग लेना चाहिए और देश अहम मुद्दों पर वक्तव्य देना चाहिए। गौरव गोगोई ने दिल्ली में सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री को देश के महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे पहलगाम घटना, चुनाव आयोग की निष्पक्षता, सीमाई सुरक्षा और मणिपुर हिंसा पर स्पष्ट वक्तव्य देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद के माध्यम से ही देशवासियों के सवालों का उत्तर मिल सकता है और इन संवेदनशील विषयों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी ठीक नहीं है। गौरव गोगोई ने कहा, "हमने इस बैठक में अपनी बात रखी है। मैं चाहूंगा कि इस अहम सत्र में प्रधानमंत्री मोदी सदन के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करें। क्योंकि बहुत महत्वपूर्ण विषय हैं जो हम चाहेंगे कि इस सत्र में प्रारंभ में लिए जाएं।" गौरव गोगोई ने आगे कहा कि काफी समय बीत चुका है और सरकार को अपनी चूक के ऊपर अपनी बात रखनी होगी। युद्ध के लिए हमने अपनी सेनाओं को पूरा समर्थन दिया। इसके पश्चात जो घटनाक्रम हुआ है, उस पर प्रधानमंत्री मोदी को प्रकाश डालना चाहिए। क्योंकि जो बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आ रहे हैं, वे कहीं न कहीं भारत की गरीमा और सेना के शौर्य पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि आज चुनाव आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ वार्तालाप करने से भी हिचकिचा रहा है।

मानसून सत्र में कई अहम विधेयक पेश किए जाएंगे

इस मानसून सत्र में कई अहम विधेयक पेश किए जाएंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों में अहम बदलाव ला सकते हैं। इनमें कुछ नए विधेयक और कुछ पुराने विधेयकों में संशोधन शामिल हैं। सरकार इस मानसून सत्र में 8 नए विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है। जिसमें नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, नेशनल एंटी-डोपिंग (संशोधन) बिल, मणिपुर जीएसटी संशोधन बिल, जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) बिल, कर कानून (संशोधन) विधेयक, भू-धरोहर स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, राष्ट्रीय महत्व की भू-संरचनाओं के संरक्षण के लिए और मर्चेंट शिपिंग बिल और इंडियन पोर्ट्स बिल शामिल हैं।

विधानसभा अध्यक्ष सोमवार को करेंगे नेवा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता सोमवार को विधानसभा परिसर में विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में दी गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 23 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य विधायकों को नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के उपकरणों और कार्यप्रणाली से परिचित कराना है, ताकि वे आगामी मानसून सत्र में प्रभावी रूप से भाग ले सकें। इस प्रशिक्षण का संचालन संसदीय कार्य मंत्रालय के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा किया जाएगा।

इस दौरान प्रतिभागी विधायकों को व्यावहारिक और समग्र प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

दिल्ली में विभिन्न राज्यों की कला एवं संस्कृति का होगा प्रचार-प्रसार : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

दिल्ली में देश के विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति को प्रभावी रूप से विस्तार दिया जाएगा। इसमें दिल्ली सरकार का कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग अपने कार्यक्रमों और आयोजनों का विस्तार कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दिल्ली सरकार की ओर से इसकी जानकारी दी गयी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि राज्य का कला, संस्कृति और भाषा विभाग अपनी गतिविधियों को विशेष स्थलों से निकालकर आम लोगों तक ले जाएगा, ताकि उनमें जन-भागीदारी बढ़े। इसके लिए दिल्ली में मनाए जाने वाले क्षेत्रीय पर्व-त्योहारों में इनसे जुड़े कलाकारों को बुलाया जाएगा, जिससे कि लोगों की ऐसे आयोजनों में दिलचस्पी बढ़े। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली के बच्चों को गैर हिंदी भाषा पढ़ाने की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं, ताकि वे दूसरे प्रदेशों की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को भी समझ सकें। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के साथ एक विशेष बैठक की अध्यक्षता की।

दिल्ली सचिवालय में हाल ही में आयोजित इस बैठक में विभाग के मंत्री कपिल मिश्रा सहित विभिन्न निकायों के सचिव, उप सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक का उद्देश्य दिल्ली को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाना और समाज के सभी वर्गों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना था।

सेना को कल मिलेंगे तीन अपाचे हेलीकॉप्टर

सेना पिछले साल 15 मार्च को जोधपुर में बना चुकी है अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की पहली स्क्वाड्रन

नई दिल्ली

भारतीय सेना के लिए तीन अपाचे एएच-64ई लड़ाकू हेलीकॉप्टरों का पहला बैच 22 जुलाई को भारत पहुंचने वाला है। शेष तीन हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति वर्ष के अंत तक होने की उम्मीद है। सेना के लिए छह अपाचे हेलीकॉप्टरों का सौदा लगभग 80 करोड़ डॉलर का था। ये हेलीकॉप्टर उन्नत सुविधाओं से लैस होंगे, जिनमें लॉन्ग रडार, हेलफायर मिसाइलें, हवा से जमीन पर मार करने वाले रॉकेट और अन्य सटीक प्रहार प्रणालियां शामिल हैं। अपाचे हेलीकॉप्टर उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं के साथ पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से बख्तरबंद खतरों का मुकाबला करने में प्रभावी होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की? पिछले साल अमेरिकी यात्रा पर सेना को अपाचे हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में हो रही देरी का मुद्दा उठाया गया था, लेकिन इसके बावजूद डिलीवरी में करीब 15 माह की देरी हुई है। यूएस निर्मित एएच-64ई हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति में देरी की वजह बोइंग कंपनी की सप्लाई चेन बाधित होना है, जिससे उत्पादन धीमा हो गया है। भारतीय सेना ने अमेरिका से 2020 में छह एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर हासिल करने के लिए 600 मिलियन डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे। समय पर आपूर्ति मिलने की उम्मीद में सेना ने पिछले साल 15 मार्च को जोधपुर में अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की पहली स्क्वाड्रन भी बना ली थी। दरअसल, अमेरिकी कंपनी बोइंग को ऑर्डर दिए जाने के बाद यूएस डिफेंस प्रायोरिटी एंड एलोकेशन सिस्टम्स प्रोग्राम (डीपीएएस) पर भारत की रेटिंग कम होने से संबंधित कुछ मुद्दे थे, लेकिन अप्रैल-मई में इसे सुलझा लिया गया था।

हिमाचल में बढ़ती आपदाओं को लेकर केंद्र गंभीर

बहु क्षेत्रीय विशेषज्ञ दल के गठन का निर्देश

नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश में वर्षा ऋतु के दौरान लगातार हो रही प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बहु-क्षेत्रीय केंद्रीय दल के गठन का निर्देश दिया है। यह दल राज्य में बादल फटने, बाढ़, भूस्खलन और मूसलधार वर्षा की आपदाओं को लेकर वैज्ञानिक विश्लेषण तथा समाधान सुझाने की दिशा में कार्य करेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी बयान के अनुसार इस बहु-क्षेत्रीय दल में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (रा.आ.प्रा.), केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सी.बी.आर.आई.) रुड़की, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान पुणे, भूवैज्ञानिकों तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भा.प्रौ.सं.) इंदौर के विशेषज्ञों को शामिल किया जायेगा।

यह दल राज्य में आपदा प्रबंधन की क्षमता को सुदृढ़ करने तथा दीर्घकालिक रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से कार्यरत रहेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि सरकार केवल तात्कालिक राहत तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि दीर्घकालिक समाधान और भविष्य में आपदाओं से निपटने के लिए राज्य की तैयारी को सशक्त बनाना उसका लक्ष्य है। इसके साथ ही वर्षा ऋतु 2025 के दौरान हिमाचल प्रदेश में बाढ़, अचानक बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाओं के दृष्टिगत केंद्र सरकार ने एक अंतर-मंत्रालयीय केंद्रीय दल को पहले ही भेज दिया है। यह दल 18 से 21 जुलाई तक सीधे प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर नुकसान का प्रत्यक्ष मूल्यांकन कर रहा है।

राजनीति में संवाद और सौहार्द की जरूरत: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने रविवार को देश के राजनीतिक दलों से आपसी सौहार्द, सम्मान और गरिमा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजनीति टकराव नहीं, संवाद का माध्यम है। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। उपराष्ट्रपति निवास में आयोजित राज्यसभा इंटर्नशिप प्रोग्राम (आरएसआईपी) के आठवें बैच के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने टीवी बहसों में बढ़ती कटुता, व्यक्तिगत हमलों और अनुचित भाषा पर चिंता जताई। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, ह्लकानों को थकान नहीं हो रही क्या? कान पक गए हैं ना? इस टिप्पणी से उन्होंने राजनीतिक विमर्श की गिरती गुणवत्ता की ओर इशारा किया। धनखड़ ने कहा, अगर कोई सुझाव देता है, तो वह न आलोचना है, न निंदा – वह विकास के लिए संकेत है। इसलिए राजनीतिक दल रचनात्मक राजनीति करें, सिर्फ विरोध के लिए विरोध न करें। उन्होंने आगे जोड़ा कि लोकतंत्र में सत्ता का परिवर्तन सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन विकास और लोकतांत्रिक संस्कृति की निरंतरता जरूरी है।

उन्होंने राजनीतिक दलों को आगाह किया कि वे राष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीति से बचें और कहा कि ह्लमैं कल्पना नहीं कर सकता कि कोई भी दल 'भारत' की संकल्पना के विरोध में हो सकता है। हर राजनीतिक दल राष्ट्रवादी है, और देश की प्रगति में विश्वास करता है। धनखड़ ने युवाओं से आग्रह किया कि वे राजनीतिक संवाद को सकारात्मक दिशा दें। उन्होंने कहा, आपकी सोच ही नेताओं को दिशा देगी। सोशल मीडिया पर सकारात्मकता दिखाइए। जब टीवी बहसें गरिमापूर्ण होंगी, तब असली बदलाव आएगा।

पीएम मोदी 23 से 26 जुलाई तक यूके और मालदीव की यात्रा पर

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 23 से 26 जुलाई के बीच यूनाइटेड किंगडम और मालदीव की यात्रा पर जाएंगे। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान जारी दी है। प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत के दोनों मित्र देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूती देने की दिशा में अहम मानी जा रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 23 और 24 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम की यात्रा पर रहेंगे। यह उनका ब्रिटेन का चौथा दौरा होगा। नरेन्द्र मोदी यूके के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर के आमंत्रण पर जा रहे हैं।

इस दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित कई अहम विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ब्रिटेन के सम्राट किंग चार्ल्स तृतीय से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे।

सीएम ने कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रच रहे उपद्रवियों को दी सख्त चेतावनी

मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता में कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रच रहे उपद्रवियों को दी सख्त चेतावनी

मेरठ/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कांवड़ यात्रा के पवित्र अवसर पर शिवभक्तों का स्वागत कर उनकी श्रद्धा को सम्मान दिया। मेरठ में उन्होंने स्वयं सड़क पर उतरकर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की, वहीं कुछ जिलों में हेलिकॉप्टर से पुष्प बरसाकर भावनात्मक श्रद्धा को नमन किया। इसी दौरान मेरठ में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा की आड़ में जो भी उपद्रव करेगा और पवित्र यात्रा को बदनाम करने का प्रयास करेगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन मास में आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों शिवभक्त हरिद्वार से पावन गंगाजल लेकर भगवान शिव के विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। बाबा औघड़नाथ मंदिर, पुरा महादेव मंदिर, दुग्धेश्वरनाथ मंदिर जैसे पवित्र स्थलों पर श्रद्धालु अपने भाव व्यक्त करेंगे। यह अत्यंत आनंददायक है कि इस यात्रा में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी शामिल होकर सामाजिक समता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

श्रद्धा को बदनाम करने वालों से सख्ती से निपटेगा प्रशासन

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ असामाजिक तत्व इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह हर कांवड़ संघ, हर शिवभक्त का कर्तव्य है कि वे ऐसे उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें बेनकाब करें और प्रशासन को तत्काल सूचना दें। सीएम योगी ने कहा कि पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और यात्रा पूरी होने के बाद उपद्रवियों की पहचान कर उनके पोस्टर सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेखा गुप्ता ने हरियाणा में मनाया जन्मदिन, बोलीं- इतना सुंदर जन्मदिन मैने दिल्ली में कभी नहीं मनाया

एजेंसी

जींद। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में अपना 51वां जन्मदिन मनाया। उनका जन्म इसी गांव में 19 जलाई 1974 को हुआ था। इस खास मौके पर यहां आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इतना सुंदर जन्मदिन तो मैने दिल्ली में कभी नहीं मनाया और शायद मुख्यमंत्री रूप में भी ना मनाती। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेरी कर्मभूमि है और हरियाणा मेरी जन्मभूमि है। मैं यह ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि अपनी कर्मभूमि के लिए भी मैं काम आ सकूं और अपनी जन्मभूमि के लिए भी अपना कर्तव्य निभा सकूं। रेखा गुप्ता ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधथे हुए कहा कि जिस दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुना के जल का आचमन किया और दिल्ली के उस व्यक्ति (केजरीवाल) ने अपशब्द बोले, उस दिन से उनकी उल्टी गंगा बहनी शुरू हुई। जनता ने कहा कि जब यमुना का सम्मान नहीं करते जब तुम्हें एहसास नहीं कि तुम किन शब्दों का उपयोग करते हो। जब तुम प्रधानमंत्री को कहते हो कि अगला जन्म लेना पड़ेगा, उस दिन दिल्ली की जनता ने यह तय कर लिया था कि अब

नहीं। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी है जो नायब सिंह सैनी जैसे साधारण परिवार से आने वाले बेटे को मुख्यमंत्री बनने का मौका देती है, एक साधारण सी बेटी को एक राज्य की मुख्यमंत्री बनने का मौका देती। मैं बता नहीं सकती कि यह मेरे लिए कितना सम्मान का क्षण है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक जीवन यात्रा हमें यह बताती है कि भारत आज बदल रहा है। एक बेटी हरियाणा के नंदगढ़ गांव में जन्म लेती है और देश की राजधानी दिल्ली की मुख्यमंत्री बन जाती है। यह न केवल महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है बल्कि देश को संदेश देता है कि भारत के अवसर वंशवाद से नहीं परीश्रम से तय होते हैं। जो व्यक्ति मेहनत व परीश्रम कर सकते हैं वो बहुत ऊंचा जा सकता है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तय किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री के जन्मदिन समारोह के साथ-साथ जींद जिले में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया गया। इस मौके पर हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली, विधायक रामकुमार गौतम, रणधीर पनिहार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश में आंधी, बारिश और बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत, सीएम ने लिया संज्ञान

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बीते 24 घंटों के दौरान तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली के कहर ने जनजीवन को प्रभावित किया है। राज्य में डूबने से 9 लोगों की और सर्पदंश से एक व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है। हालात को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित जनपदों के अधिकारियों को राहत कार्यों को तत्काल और प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। राहत आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार चित्रकूट में डूबने से पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि बिजनौर में तीन लोग मरे हैं। वहीं, महोबा में एक की डूबने से मौत हो गई है और प्रयागराज में सर्पदंश से एक की मौत हुई है।मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर सर्वेक्षण करें और राहत कार्यों की निगरानी करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जनहानि या पशुहानि की स्थिति में प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराई जाए और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश या जलभराव की स्थिति में त्वरित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, जिला और तहसील स्तर पर अधिकारियों को सक्रियता बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। प्राकृतिक आपदा के इस दौर में राज्य सरकार राहत कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने की दिशा में काम कर रही है। प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है और आपदा प्रबंधन इकाइयों को भी सक्रिय कर दिया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार, स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और प्रभावितों तक हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है।

नागरिकों को मातृभाषा के लिए उत्पीड़न की धमकी देना असंवैधानिकः ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्ला भाषा विवाद पर एक बार फिर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा का यह विभाजनकारी एजेंडा सारी हदें पार कर चुका है और असम के लोग इसका डटकर मुकाबला करेंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा बांग्ला असम की भी दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। सभी भाषाओं और धर्मों का सम्मान करते हुए शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहना चाहने वाले नागरिकों को उनकी अपनी मातृभाषा को बनाए रखने के लिए उत्पीड़न की धमकी देना भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक है। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा, असम में भाजपा का यह विभाजनकारी एजेंडा सारी हदें पार कर चुका है और असम के लोग इसका डटकर मुकाबला करेंगे। मैं हर उस निडर नागरिक के साथ खड़ी हूं, जो अपनी भाषा और पहचान की गरिमा और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रहा है। इससे पहले ममता बनर्जी ने एक पोस्ट में कहा था, ÷मैं यह जानकर स्तब्ध और बेहद व्यथित हूं कि असम में विदेशी न्यायाधिकरण ने कूचबिहार के दिनहाटा में 50 से ज्यादा वर्षों से रह रहे राजबंशी उत्तम कुमार बृजवासी को एनआरसी नोटिस जारी किया है। वैध पहचान पत्र देने के बावजूद उन्हें विदेशी/अवैध प्रवासी होने के संदेह में परेशान किया जा रहा है। यह लोकतंत्र पर एक सुनियोजित हमले से कम नहीं है। यह इस बात का प्रमाण है कि असम में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार बंगाल में एनआरसी लागू करने की कोशिश कर रही है, जहां उसके पास कोई शक्ति या अधिकार क्षेत्र नहीं है। ममता बनर्जी ने पहले भी भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला बोलने वाले मजदूरों और प्रवासियों की कथित तौर पर गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया। इसको लेकर उन्होंने कोलकाता में मार्च भी किया। कवि, नाटककार और गीतकार द्विजेंद्रलाल रॉय की जयंती पर भी ममता बनर्जी ने आरोप लगाए कि पूरे देश में बंगाली भाषा और बंगालियों के खिलाफ एक गहरी साजिश चल रही है।

अडानी को छतीसगढ़ के जंगल सौंपने के विरोध की बघेल को सजाः प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार छत्तीसगढ़ के जंगल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नजदीकी उद्योगपति गौतम अडानी को सौंप रही है और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इसका जमकर विरोध कर रहे हैं इसलिए उनके परिवार को इसकी सजा दी जा रही है। श्रीमती वाड्रा ने आज यहां कहा कि श्री बघेल इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने वाले थे लेकिन उससे पहले ही उनकी आवाज दबाने की कोशिश करते हुए उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनका कहना था कि भाजपा इस तरह के हथकंडे अपनाती रहती है लेकिन कांग्रेस के लोग इससे डरने वाले नहीं है और वे इसका विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा,भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के सारे जंगल अडानी जी को समर्पित कर दिए हैं। पेसा कानून और एनजीटी के निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए जंगलों को तबाह किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी विधानसभा में यह मुद्दा उठाने वाले थे। उन्हें रोकने के लिए सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने उनके घर पर छापा मारा और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया।

26 व 27 जुलाई को सीईटी परीक्षा के लिए सरकार की पूरी तैयारी : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं की मांग को देखते हुए सरकार द्वारा प्रदेश में दूसरी सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सरकार ने सीईटी की परीक्षा को लेकर सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। प्रदेशभर से सीईटी ग्रुप-सी के लिए 13 लाख 87 हजार युवाओं ने आवेदन किया। इन आवेदकों की 26 व 27 जुलाई को परीक्षा ली जा रही है। युवाओं को परीक्षा केंद्र तक लेकर जाने और वापस छोड़ने के लिए 9200 बसों की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि बस सुविधा के लिए युवाओं से रजिस्ट्रेशन करवाए जा रहे हैं। सरकार ने हरियाणा रोडवेज की बसों के अलावा प्राइवेट स्कूलों की बसों को भी सीईटी परीक्षा के लिए तैयार

किया है। इसके लिए प्राइवेट स्कूलों से आग्रह किया था, ताकि युवाओं और बेटियों को सुविधा मुहैया करवाई जा सके। परीक्षा के समय युवतियों के साथ परिवार का एक सदस्य भी पेपर के समय फ्री में यात्रा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने रॉबर्ट वाड्रा के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि लंबे समय से उन पर केस चल रहा था जिसकी जांच चल रही थी। कांग्रेस ने लंबे समय तक कई गलतियां और भ्रष्टाचार को किया हुआ है जो किसी न किसी दिन तो सामने आने ही थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल में नियमों को ताक पर रखकर गरीब वर्ग को और गरीब और कुछ लोगों को बहुत ज्यादा अमीर बनाने का काम किया, इनमें एक नाम रॉबर्ट वाड्रा भी शामिल है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के संबंध में किए गए सवाल के जवाब में कहा कि भगवंत मान की सरकार के पीछे दूसरी ताकतें काम कर रही हैं जिसके कई कामों का तो मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी पता नहीं होता है। एक अन्य प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की लिस्ट में डाल दिया है।

तेजस्वी यादव का केंद्र सरकार पर तंज, गाने के जरिए साधा निशाना

एजेंसी

पटना। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अभी दो से तीन महीने की देरी है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। दोनों के बीच बयानबाजियों का दौर जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी एकदिवसीय बिहार यात्रा के क्रम में मोतिहारी पहुंचे और 7200 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं की सौगात प्रदेश को दी। इस पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तंज कसा है। तेजस्वी ने शनिवार को एक गाना लॉन्च किया है, जिसमें भाजपा के कई वादों को उठाया गया है। इस गाने को उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर गाने का वीडियो शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा है, मोदी जी ओ मोदी जी, आदरणीय मोदी जी, आपके झूठ और जुमलों से तंग आकर बिहारवासियों ने आपको यह गाना समर्पित किया है। इस गाने में जहां बंद पड़ी चीनी मिल के फिर से शुरू करने के वादे नहीं निभाने का

जिक्र किया गया, वहीं यह भी कहा गया कि बिना चुनाव के पीएम मोदी नहीं आते हैं। इसके अलावा बिहार में पुल टूटने और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति को लेकर भी निशाना साधा गया है।

मोदी, शाह, रिजिजू ने मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को चुनौती देने वाले अग्रणी योद्धाओं में से एक बताया। श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे को उनकी जयंती पर सादर श्रद्धांजलि। वे ब्रिटिश शासन को चुनौती देने वाले अग्रणी योद्धाओं में से एक थे। उनका साहस और पराक्रम भारतीयों की पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। श्री शाह ने महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की जयंती पर पोस्ट ने लिखा, 1857 के संग्राम के नायक, अद्वितीय योद्धा व राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा मंगल पांडे जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। उन्होंने कहा कि मंगल पांडे ने अपने साहस और पराक्रम से अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। उनके नेतृत्व में बैरकपुर छावनी आजादी की क्रांति का केंद्र बन गई और इससे देशभर में स्वतंत्रता की लहर फैल गई। श्री

रिजिजू ने भी मंगल पांडे को नमन करते हुए कहा, 1857 की क्रांति के अग्रदूत, मां भारती के वीर सपूत और अमर शहीद मंगल पांडे की जयंती पर शत्-शत् नमन। देश की स्वाधीनता व सांस्कृतिक स्वाभिमान के लिए उनका त्याग और समर्पण अविस्मरणीय है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगल पांडे को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मां भारती के वीर सपूत, प्रथम स्वाधीनता संग्राम के महानायक और अमर बलिदानी मंगल पांडे की जयंती पर कोटिशः नमन करता हूं। उनका त्याग, समर्पण एवं बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

रॉबर्ट वाड्रा के समर्थन में राहुल के ट्वीट पर भाजपा ने साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की चार्जशीट की आलोचना करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट पर भाजपा ने निशाना साधा है। भाजपा ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या उन्होंने यह पद व्यक्तिगत हैसियत से हासिल किया है या विपक्ष के नेता (एलओपी) के तौर पर जो एक संवैधानिक पद है। भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने मेरे जीजा शब्द का इस्तेमाल करते हुए ट्वीट किया है और अपने जीजा रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही पर निराशा व्यक्त की है। इससे साफ़ ज़ाहिर है कि मामला राजनीतिक नहीं बल्कि व्यक्तिगत है। आज उन्होंने भ्रष्टाचार से बनी अपने जीजा की विरासत को बचाने के लिए कदम आगे बढ़ाया है। उनकी बहन प्रियंका गांधी ने भी भ्रष्टाचार के आरोपित एक अन्य कांग्रेस नेता के बेटे का बचाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार के सदस्य न्याय के लिए नहीं बल्कि एक-दूसरे के गलत कामों को छिपाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। संसद

के मानसून सत्र को लेकर राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सत्र शुरू होने में अभी दो दिन बाकी हैं और विपक्षी इंडी गठबंधन के भीतर मतभेद साफ दिखाई दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने इंडी गठबंधन से अलग होने की घोषणा की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विपक्ष इस संसदीय सत्र का सकारात्मक, प्रभावी और रचनात्मक उपयोग करेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश ने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के आसपास गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने जेपी गंगा पथ पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे पार्क का भी मुआयना किया। मुख्यमंत्री ने जायजा लेने के क्रम में पटना सिटी के कंगन घाट से दानापुर के नासरीगंज घाट तक गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ पर एलसीटी घाट से गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लेने के बाद एनआईटी घाट पहुंचे जहां उन्होंने गंगा नदी के बढ़े जलस्तर एवं तटीय इलाकों के वर्तमान स्थिति की पूरी जानकारी अधिकारियों से ली। एनआईटी घाट से जेपी गंगा पथ होते

हुए मुख्यमंत्री कंगन घाट के बाद दीघा घाट और दानापुर स्थित नासरीगंज घाट पहुंचकर गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का भी जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह अलर्ट रहें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हर समय तैयार रहें। ताकि लोगों को बाढ़ के पानी से होने वाली परेशनी से बचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी के तटीय इलाकों खासकर निचले क्षेत्रों की स्थिति की लगातार समीक्षा करते रहें और जरूरत पड़ने पर तत्काल रूप से आवश्यक कार्रवाई करें ताकि कोई नुकसान न हो। नासरीगंज घाट, गांधी घाट सहित कई स्थानों पर गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है तथा नदी की धारा भी बहुत तेज है। संभावित परिस्थितियों पर पूरी नजर रखें तथा बढ़ते जलस्तर से प्रभावित लोगों को एसओपी के अनुसार जरूरी सहायता उपलब्ध कराएं।

अमरनाथ तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 6365 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था बम बम भोले का जयकारों के बीच यहां भगवती नगर स्थित यात्री निवास से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया, आज सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से 6,365 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था कश्मीर स्थित श्री अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 211 वाहनों के बेड़े में 2,851 तीर्थयात्री पहलगाम और 3,514 बालटाल के लिए रवाना हुए। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो जुलाई को यहां से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। बाबा बर्फीनी के दर्शन के लिए इस वर्ष 03 जुलाई से शुरू हुयी 38 दिवसीय यह वार्षिक यात्रा 09 अगस्त तक चलेगी। अब तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। उपराज्यपाल ने 17 जून को अमरनाथ यात्रा के दोनों मार्गों को एक जुलाई से 10 अगस्त के बीच नो-फ्लाइंग ज़ोन घोषित करने के आदेश पारित किए थे। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल के आदेश पर जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने आगामी अमरनाथ यात्रा के दौरान हवाई गतिविधियों के संबंध में कड़े सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम यात्रा के दौरान कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर यात्री से 40 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री से 40 करोड़ रुपये मूल्य की 4 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि डीआरआई की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर एक पुरुष यात्री को बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 40 करोड़ रुपये मूल्य की 4 किलोग्राम से ज्यादा कोकीन के साथ पकड़ा। डीआरआई अधिकारियों को उसके सामान की जांच करने पर पता चला कि उसके पास दो सुपरहीरो कॉमिक्स/पत्रिकाएं थी, जो असामान्य रूप से भारी थी। जांच में अधिकारियों ने पत्रिकाओं के कवर में छिपाए गए सफेद पाउडर को बरामद किया। बरामद कोकीन का वजन 4,006 ग्राम (4 किलो से ज्यादा) था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 40 करोड़ रुपये आंकी गई है। मंत्रालय ने बताया कि इसे एनडीपीएस अधिनियम प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया है। इसके बाद यात्री को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। उसे 18 जुलाई को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

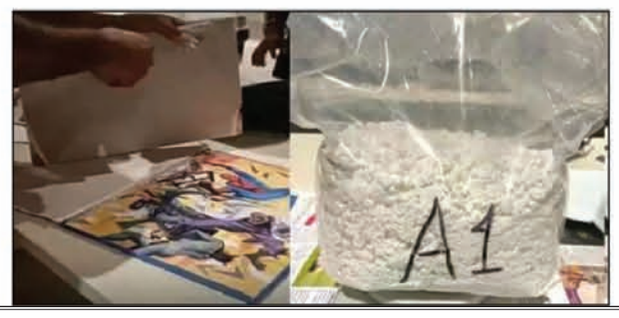

साकेत बार एसोसिएशन की कार्यकारी समिति ने विरोध प्रदर्शन के बाद आपात बैठक बुलाई

नई दिल्ली। साकेत बार एसोसिएशन की कार्यकारी समिति ने विरोध प्रदर्शन के बाद आपात बैठक बुलाई। बैठक का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों द्वारा बार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को लेकर सामूहिक प्रतिक्रिया देना था। बैठक में वकीलों ने पुलिस की पक्षपातपूर्ण कार्यशैली पर कड़ा ऐतराज जताया। बार सदस्यों ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी वकीलों के खिलाफ तो तेजी से एफआईआर दर्ज कर लेते हैं। लेकिन जब बात अपने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की आती है, तो उन्हें बचाने के हर संभव प्रयास किए जाते हैं। एसोसिएशन ने पुलिस के इस पक्षपातपूर्ण रवैये की कड़ी निंदा करते हुए इसका विरोध दर्ज कराया है। बार एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि शनिवार को सभी वकील पूरी तरह से काम से अलग रहेंगे। बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी अनिल कुमार बसोया ने बताया कि सभी सदस्यों से अपील की गई है कि वे किसी भी अदालत में शारीरिक या वर्चुअल रूप से उपस्थित न हों। इसके साथ ही मुकदमों से जुड़े प्रभावित वकीलों के हितों की रक्षा के लिए प्रॉक्सी काउंसल नियुक्त किए गए हैं। जिससे मुकदमों में देरी को कोई असुविधा न हो।

लूट के मामले में फरार आरोपित मुठभेड़ में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ के घिटोरनी स्थित फॉर्म हाउस में बीते 23 जून की रात को हथियारबंद बदमाशों ने गार्ड को बंधक बनाकर मालिक करण चोपड़ा का अपहरण कर तीस लाख की डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। उक्त मामले में जिले की स्पेशल स्टाफ ने मुठभेड़ के बाद एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान दिनेश वर्मा उर्फ बिल्लू के रूप में हुई है। पकड़ने के दौरान आरोपित ने पुलिस टीम पर गोली चलाई। आरोपित द्वारा चलाई एक गोली हेड कांस्टेबल को लगी, बुलेट प्रूफ जैकेट होने के कारण वह बच गए। जांच में पता चला है कि आरोपित बिहार में हत्या के प्रयास के एक मामले में भी वांछित था और पहले हत्या, हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम, डकैती, छीनाझपटी के कई मामलों में शामिल था। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चोरी की बाइक, पिस्टल, दो खाली कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद किये हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार पुलिस ने अभी तक वारदात में शामिल पूर्व व वर्तमान चालक समेत 11 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।डीसीपी ने बताया कि एसीपी विजय कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर विजय बालियान की टीम को आरोपित दिनेश वर्मा के बिजवासन में द्वारका एक्सप्रेसवे फ्लाईओवर के पास से निकलने की जानकारी मिली थी।

दिल्ली से लापता नाबालिग लड़की को लखनऊ से खोजकर परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को लखनऊ (उप्र) से खोजकर परिवार से मिलवाया है। पुलिस को लड़की लखनऊ के टकरोही, इंदिरा नगर, अम्बेडकर चौक के पास मिली। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार सात फरवरी को बाहरी जिले के निहाल विहार थाने में एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच को मामले में लगाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला एएसआई नरिंदर कौर ने जांच शुरू की। पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद ली। इस बीच पुलिस को पता चला कि लड़की की लोकेशन लखनऊ के अम्बेडकर चौक के पास आ रही रही है। टीम ने तत्परता दिखाते हुए लखनऊ पहुंचकर एक घर से लड़की को बरामद किया। लड़की को सकुशल दिल्ली लाया गया और परिवार को सौंपा गया। फिलहाल आगे की कानूनी कार्रवाई निहाल विहार थाना पुलिस कर रही है।

चौथे दिन भी स्कूलों को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भी 45 से अधिक स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम विस्फोट की धमकियां मिलीं। इस घटना से छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और स्कूल प्रशासन में दहशत फैल गई। दिल्ली पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली तुरंत बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और दमकल विभाग की टीमें विभिन्न स्कूलों में रवाना कर दी गईं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई स्कूलों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। यह इस सप्ताह का चौथा दिन है जब दिल्ली के स्कूलों को इस तरह की धमकियां मिली हैं। इससे पहले भी मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन हर बार जांच के बाद कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली।

दक्षिण दिल्ली: समरफील्ड इंटरनेशनल स्कूल, डीपीएस मथुरा रोड, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल (साकेत), द इंडियन स्कूल, मदर डे स्कूल (तिलक लेन)।पश्चिमी दिल्ली: द्वारका इंटरनेशनल स्कूल, मैक्सफोर्ट जूनियर स्कूल, आधुनिक इंटरनेशनल स्कूल, ला पेटिटे मोंटेसरी, डून पब्लिक स्कूल (पश्चिम विहार), जीडी गोयंका स्कूल।

मुख्यमंत्री ने सरकारी मुकदमों का बोझ कम करने पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में सरकारी मुकदमों को सुव्यवस्थित करने और न्यायपालिका पर अनावश्यक बोझ कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों का एक पैनल गठित किया जाए जो लंबित मामलों की प्रकृति की समीक्षा कर यह सुझाव दे कि कौन-कौन से मुकदमे गैर-आवश्यक हैं और उन्हें किस प्रकार कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा व वरिष्ठ अधिकारी तथा विधि विशेषज्ञ उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्तमान में राजधानी में 11 न्यायिक जिले कार्यरत हैं, जो राजस्व जिलों के अनुरूप हैं और ये

सात प्रमुख न्यायालय परिसरों में संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार से संबंधित लगभग 4,000 मुकदमे विभिन्न न्यायालयों और अधिकरणों में लंबित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों की एक पैनल गठित की जाए जो लंबित मामलों की प्रकृति की समीक्षा कर यह सुझाव दे कि कौन-कौन से मुकदमे गैर-आवश्यक हैं और उन्हें किस प्रकार कम किया जा सकता है। ये पैनल बेहतर मुकदमा प्रबंधन और त्वरित निपटान के लिए प्रणालीगत समाधान भी सुझाएंगे। बैठक में यह उल्लेख किया गया कि अन्य राज्यों की भांति दिल्ली सरकार का सुप्रीम कोर्ट में कोई विशेष अधिवक्ता पैनल नहीं है। इस पर मुख्यमंत्री ने विधि विभाग को निर्देश दिए कि दिल्ली उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न अधिकरणों में महत्वपूर्ण मामलों की पैरवी के लिए पूर्व निर्धारित शर्तों के साथ वरिष्ठ अधिवक्ताओं का एक विशेष पैनल गठित किया जाए। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार के लिए एक स्थायी पैनल गठित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान न्यायिक अधिकारियों की स्वीकृत संख्या के मुकाबले कमी और कार्यालयों की सीमित स्थान की समस्या पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि शास्त्री पार्क, कड़कड़डूमा और रोहिणी में तीन नए न्यायालय परिसर निर्माणाधीन हैं और इनके पूर्ण होते ही इस कमी को काफी हद तक दूर किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय हरेला उत्सव 2025 का आयोजन, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। अपनी धरोहर न्यास, पर्वतीय लोकविकास समिति एवं श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के संयुक्त तत्वावधान में आज 'राष्ट्रीय हरेला उत्सव 2025' का आयोजन जैन भवन नई दिल्ली किया गया। इस राष्ट्रीय उत्सव का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था, बल्कि उन महान विभूतियों को सम्मानित करना भी था, जिन्होंने कृषि, पर्यावरण, धर्म, संस्कृति, साहित्य, शिक्षा, इतिहास, कला और समाज सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस अवसर पर अतिथियों ने अपने विचारों से उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षण देने की दिशा में संगठनों की भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, पटपड़गज विधानसभा के विधायक रवींद्र सिंह नेगी, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम का राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यालय में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर

स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन के साथ जसवंत जैन (राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष), महेंद्र बोकरिया जैन (राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष) विपुल जैन (राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष) व नेपाल सिंह (राजनीतिक सलाहकार) इस विशेष भेंट वार्ता में उपस्थित रहे। समसामयिक विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

मंत्री इंद्राज ने नशामुक्ति अभियान की प्रगति और रणनीति को लेकर की समीक्षा बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने उत्तर दिल्ली जिले में नशामुक्ति अभियान की प्रगति और रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। मंत्री ने कहा कि महिलाओं को नशामुक्ति अभियान से जोड़कर परिवार और समुदाय स्तर पर जागरूकता को नई दिशा दी जा सकती है। जेजे कॉलोनी, झुग्गियों और क्लस्टरों में महिलाओं को जागरूक करें। महिलाएं वालंटियर बनकर परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने में अहम योगदान दे सकती हैं। रविंद्र इंद्राज ने कहा कि नशे पर नियंत्रण के लिए केवल कानून का ही नहीं, समाज का सहयोग भी आवश्यक है, विशेषकर महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं को नशे के आदी होने के लक्षणों, हेल्प लाइन नंबर, डिएडिक्शन सेंटर की जानकारी देकर परिवार और पड़ोस में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करें। रविंद्र इंद्राज ने बताया कि उन्होंने नशे के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में बीट अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने

के लिए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा है। साथ ही पुलिस से चयनित डार्क स्पॉट्स की सूची साझा करने और वहां सघन निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। समाज कल्याण मंत्री ने छात्रों को नशे से बचाने हेतु स्कूल-कॉलेज परिसरों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने और इसकी सख्ती से निगरानी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे 'नशामुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत दिल्ली को नशामुक्त बनाने और पुनर्वास सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस, स्वास्थ्य और समाज कल्याण विभागों के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए। रविंद्र इंद्राज ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों से अपने परिसरों में 'नशा मुक्ति क्लब' बनाने और 'ड्रग फ्री कैंपस' घोषित करने का आग्रह किया गया है।

प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान को आगे बढ़ाएं बच्चे : मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बच्चे पर्यावरण संरक्षण के लिए दिल्ली में एक पेड़ लगाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान को आगे बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने यह बात पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेंद्र उपाध्याय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव के साथ राष्ट्रपति एस्टेट स्थित विलिंगडन क्रेसेंट परिसर में वन महोत्सव में पौधारोपण करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा आज दिल्ली को हरित और पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी प्रमुख हस्तियां यहां एकत्रित हुई है। दिल्ली को हरा-भरा करना ही सरकार का ध्येय है। जैसे मां हमें निःस्वार्थ प्रेम, सुरक्षा और ऊर्जा देती हैं वैसे ही एक वृक्ष भी हमें जीवनदायिनी आक्सीजन, शीतल छाया और हरियाली देता है। इस मौके पर मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने अस्पताल निर्माण और

सीसीटीवी परियोजना से जुड़े 6,000 करोड़ रुपये के घोटाले में आम आदमी पार्टी (आआपा) नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मामला दर्ज करने पर हमला किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आआपा सरकार ने दिल्ली को खूब लूटा। दिल्ली के स्कूलों में क्लासरूम निर्माण के नाम आआपा सरकार ने खूब घोटाला किया, जिन क्लासरूमों का निर्माण 800 रुपये फूट होना था। उसके लिए 8500 रुपये दिए गए। दिल्ली महोत्सव के आयोजन के नाम 30 करोड़ रुपये कहां चले गए। उसका पता ही नहीं है। बिजली से लेकर आबकारी घोटाले तक की जांच ईडी कर रही है। सिरसा ने कहा कि आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी छवि ईमानदार बनाने के लिए दिल्ली के लोगों का बेतहाश पैसा विज्ञापनों पर खर्च किया। ईमानदार छवि बनाने के बाद दिल्ली को दोनों हाथों से लूटने का काम किया। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बाद अरविंद केजरीवाल सबसे लंबे समय तक जेल में रहने वाले मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने पिछले 10 सालों में इतने घोटाले किए हैं कि अगर हम हर मामले की सुनवाई एक दिन में भी करें, तो भी अगले 10 साल कम पड़ेंगे।

मंत्री कपिल मिश्रा ने किया प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने तीन मूर्ति मार्ग स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ प्रसिद्ध गायक एवं संगीत निर्देशक हिमेश रेशमिया भी उपस्थित रहे। इस दौरान मंत्री कपिल मिश्रा ने संग्रहालय की विभिन्न तकनीकी विशेषताओं और गैलरियों का गहन अवलोकन किया। प्रधानमंत्री संग्रहालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों को समर्पित 14 अत्याधुनिक गैलरियां हैं, जो भारत के राजनैतिक इतिहास को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं। संग्रहालय की विशेषताओं में 6डी हेलिकॉप्टर राइड, इंटरैक्टिव जोन, वर्चुअल फोटो सेशन, हैंडराइटिंग रोबोट, टाइम मशीन, 3डी नेशनल एम्बलम और काइनेटिक एलईडी लाइट्स से युक्त राष्ट्रीय ध्वज जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

इस अवसर पर मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री संग्रहालय न केवल हमारे देश के इतिहास को जीवंत करता है बल्कि यह युवाओं को प्रेरणा देने का भी एक माध्यम है। यह भारत के महान नेताओं की यात्राओं और योगदान का सजीव दस्तावेज है। हर भारतीय को यहां आकर भारत के गौरवशाली नेतृत्व की झलक अवश्य देखनी चाहिए। इसके साथ ही मंत्री कपिल मिश्रा ने अपने अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार सुनिश्चित करेगी कि कर्तव्य पथ, भारत मंडपम, प्रधानमंत्री संग्रहालय, डॉ. आंबेडकर स्मारक जैसे आधुनिक भारत की पहचान वाले पर्यटक स्थलों पर देशभर से लोग आएं। इसी क्रम में आज मशहूर गायक हिमेश रेशमिया जी के साथ दिल्ली के प्रमुख टूरिज्म स्मारक प्रधानमंत्री संग्रहालय में जाना हुआ। देश की राजनीति, इतिहास, संस्कृति, सभ्यता को दर्शाते ये नए पर्यटक स्थल दिल्ली की पहचान हैं। हिमेश के साथ प्रधानमंत्री संग्रहालय जाकर हमने इस अभियान की शुरुआत की है। आप सभी दिल्ली के इन पर्यटन स्थलों पर जरूर जाएं।

डकैती के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के वेलकम इलाके में हथियार के बल पर हुई डकैती की वारदात में पुलिस टीम ने एक महिला और एक नाबालिग सहित कुल पांच आरोपितों को हिरासत में लिया है। आरोपितों के पास से लूटे गई नकदी, जेवरात, दो स्कूटी और 2 चाकू बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपितों की पहचान जाफराबाद निवासी नावेद, न्यू सीलमपुर निवासी फज़ल, न्यू सीलमपुर निवासी मोहम्मद इकबाल, एक महिला और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक 17 जुलाई की दोपहर गली नंबर 7 सुदामापुरी निवासी हमज़ा ने रिपोर्ट लिखाई कि दोपहर करीब 4 बजे वह अपनी मां के साथ घर पर था। तभी उसकी मां की जान-पहचान की एक महिला घर आई और बातचीत करने लगी। थोड़ी देर बाद महिला ने यह कहकर बाहर जाने की बात कही कि घर के अंदर मोबाइल नेटवर्क नहीं आ रहा। जब वह दोबारा अंदर आई तो मुख्य दरवाजा खुला छोड़ दिया। इसी दौरान दो युवक चाकू लेकर घर में घुस आए और उन्हें व उनकी मां को बंधक बनाकर चाकू की नोंक पर जेवरात और अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए वेलकम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रूपेश खत्री के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी और मैनुअल सुरागों के आधार पर सभी आरोपितों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया। मामले में आगे पूछताछ जारी है।

एमसीडी ने साफ रखो, स्वच्छ रखो नाम से स्वच्छता एंथम का किया लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने नगर निगम की स्वच्छता गतिविधियों के लिए सिविक सेंटर में स्वच्छता एंथम का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह एंथम सिर्फ एक गीत नहीं, स्वच्छता के प्रति हमारी सामूहिक चेतना और संकल्प का प्रतीक है। इस गीत के बोल, दिल्ली नगर निगम की है ये पुकार, साफ आंगन से प्यारा ना कोई उपहार, स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली के निर्माण की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। यह पहल नागरिकों को शहर में स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने में हाथ मिलाने के लिए प्रेरित करती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि इस स्वच्छता गीत का लोकार्पण केवल एक गीत का अनावरण नहीं है - यह दिल्ली के लोगों के संकल्प, भागीदारी और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह गीत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने, लोगों को प्रेरित करने और इस जन आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने

कहा कि हमारे पास नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की ताकत है, जो दिल्ली को स्वच्छ और स्वच्छ बनाए रखने के लिए दिन-रात अथक परिश्रम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सहयोग से हम दिल्ली की सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करेंगे। महापौर ने कहा कि यह गीत हमारी आवाज बनेगा - मोहल्लों, स्कूलों, बाजारों और दिल्ली के हर कोने में और हर नागरिक को यह स्पष्ट संदेश देगा कि स्वच्छ दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली सिर्फ एक सपना नहीं बल्कि हमारी साझा जिम्मेदारी है। इकबाल सिंह ने कहा कि इससे नगर निगम में कचरे को कम करने और शहर को कूड़ा मुक्त बनाने की इस मुहिम में जनता को लगातार शामिल करने के लिए मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता का स्वच्छ भारत मिशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। दिल्ली को स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार में बेहतर प्रदर्शन के लिए एमसीडी को मध्यम शहरों की श्रेणी में 31वां स्थान मिला इस पर महापौर ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करना है ।

आकांक्षा व मसाला मठरी केंद्र की दीदियों ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से आकांक्षा समिति उत्तर प्रदेश के अंतर्गत कार्यरत लखनऊ स्थित मसाला मठरी केंद्र की दीदियों ने राष्ट्रपति भवन में गुरुवार को मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने आकांक्षा और मसाला मठरी केंद्र में कार्यरत महिलाओं की आय, स्वास्थ्य, बच्चों की शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण जैसे विषयों पर संवाद किया। राष्ट्रपति ने महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में आकांक्षा को सक्रिय रूप से कार्यरत करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की पत्नियां समाज के लिए विकास की वाहक बन सकती हैं, यदि वे अपने पद को केवल व्यक्तिगत सुविधा का साधन न मानकर समाज के वंचित वर्गों के लिए सेवा और सहयोग का माध्यम बनाएं। राष्ट्रपति से आकांक्षा दीदियों की यह मुलाकात आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह के संकल्प और प्रयासों से साकार हुआ। इस अवसर पर डॉ. रश्मि सिंह ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया और एक कॉम्पेंडियम भी राष्ट्रपति को भेंट किया। साथ में संस्था की सचिव प्रतिभा सिंह और आकांक्षा उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति चौधरी ने भी आकांक्षा समिति उत्तर प्रदेश एवं मसाला मठरी केंद्र के आगामी योजनाओं की जानकारी दी।

विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता की पहल ; हाईटेक होंगे दिल्ली के संग्रहालय, अभिलेखागार और ई-लाइब्रेरी

एजेंसी

नई दिल्ली। डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत दिल्ली विधानसभा ने अपने पुस्तकालय के व्यापक आधुनिकीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विधानसभा ने इस दिशा में एक विस्तृत कार्ययोजना और व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का दायित्व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) को सौंपा था। आईजीएनसीए ने यह रिपोर्ट अब विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को सौंप दी गई है। इसमें पुस्तकालय के ढांचे, संसाधनों और डिजिटल सेवाओं के सुधार के लिए स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।

इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए हाल ही में विजेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने विधायी अनुसंधान को सशक्त बनाने और सूचना तक डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने पुस्तकालय को आधुनिक आईटी अवसंरचना से युक्त अत्याधुनिक ई-लाइब्रेरी में रूपांतरित करने की योजना की घोषणा की। आईजीएनसीए ने अपनी रिपोर्ट में पुस्तकालय का नाम बदलकर 'दिल्ली विधानसभा पुस्तकालय, अभिलेखागार एवं

संग्रहालय' रखने का प्रस्ताव भी दिया है ताकि इसकी व्यापक भूमिका को दर्शाया जा सके। व्यवहार्यता रिपोर्ट में कार्मिक, अवसंरचना और तकनीकी क्षेत्र में सुधार की सिफारिश की गई है। प्रमुख प्रस्तावों में एक वरिष्ठ सलाहकार (पुस्तकालय), एक सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी (एएलआईओ), दो पुस्तकालय परिचारक और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एलआईएस) प्रशिक्षुओं की नियुक्ति शामिल है। स्टाफ पदों और वेतनमानों को तीन महीनों के भीतर उन्नत करना प्राथमिकता में है। संसद पुस्तकालय जैसे संस्थानों से सहयोग की योजना भी बनाई गई है। संरचनात्मक सुधार में पूरे पुस्तकालय का नवीनीकरण, आधुनिक फर्नीचर, कॉम्पैक्ट शेल्विंग, संग्रहालय-शैली के डिस्प्ले और दीमक-निवारण जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं, जिन्हें पीडब्ल्यूडी के माध्यम से आरएफपी प्रक्रिया द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा।डिजिटल पक्ष में कोहा, लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम, एक समर्पित पुस्तकालय पोर्टल और डी-स्पेस आधारित डिजिटल रिपॉजिटरी की शुरुआत की जाएगी। पुस्तकालय डीईएलएनईटी (डेलनेट) से जुड़ेगा, प्रेस रीडर और मैग्जटर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म की सदस्यता लेगा और प्रमुख संसाधनों तक आनलाइन पहुंच प्रदान करेगा।

स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निस्तार' नौसेना में शामिल, भारत की समुद्री ताकत बढ़ेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) निस्तारभारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में शामिल हो गया। विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में जलावतरण के बाद यह जहाज गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल हो गया है। इससे न केवल समुद्र के भीतर भारत की सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी सामरिक समुद्री स्थिति भी पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी। कमीशनिंग समारोह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की अध्यक्षता में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में हुआ। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में 80 फीसदी स्वदेशी सामग्री और 120 एमएसएमई के सहयोग से निर्मित निस्तार गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव के लिए सुसज्जित है। इस जहाज पर विशाल डाइविंग कॉम्प्लेक्स एयर एंड सैचुरेशन डाइविंग सिस्टम के साथ मौजूद है। साथ ही पानी के अंदर रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स (आरओवी) और साइड स्कैन सोनार भी लगाया गया है, जो जहाज के परिचालन क्षेत्र को काफी हद तक बढ़ाता है। जलावतरण के बाद इसे गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल किया गया है। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निस्तार' 08 जुलाई को विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। नौसेना में पहले हीनिस्तार नाम का एक पनडुब्बी बचाव पोत था, जिसे भारतीय नौसेना ने 1969 में तत्कालीन सोवियत संघ से हासिल करके 1971 में कमीशन किया था। उस जहाज ने 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में अहम भूमिका थी और दो दशकों की सेवा में भारतीय नौसेना के गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब गोताखोरी सहायता पोत (डीएसवी) निस्तार इसी विरासत को आगे बढ़ाएगा। इस पोत की लंबाई लगभग 120 मीटर की लंबाई है और डायनामिक पोजिशनिंग सिस्टम का उपयोग करके 10 हजार टन से अधिक भार विस्थापन की क्षमता है।

संपादक की कलम से

कैसे रूक पायेगा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बे़ नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चचाओं में बने रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर अपराधिक मामले दर्ज हो रहें हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक दागदार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बे़ नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है।

एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जु़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है।

1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बे़ औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बि़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाि़यों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रूपयों की महंगी गाि़यों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाि़यां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज छूट-भैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बे़ नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता हैं।

चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ ेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार 54 विधायकों पर भारतीय दं संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(द) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(द) एक ही पीि़त के बार-बार यौन उत्पी़न से संबंधित है।

एसोसिएशन ऑफ ेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बी़ संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिये चुने गये 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है। एीआर के अनुसार 18वीं लोकसभा में सबसे बी़ पार्टी के रूप में उभरी बीजेपी के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं।

विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 प्रतिशत) बीजेपी उम्मीदवार, 32 (32 प्रतिशत) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, छह (27 प्रतिशत) ीएमके उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

जामुन के अनगिनत फायदे

नई दिल्ली। गर्मी का सीजन शुरू होते ही कई ऐसे फल बाजार में आ जाते हैं, जिन्हें खाने के फायदे अनगिनत होते और शरीर को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं। इन्हीं में से एक है जामुन। जो दिखने में तो एक छोटा सा फल है, लेकिन ये स्वाद में जितना अनोखा है, उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद भी है। बैंगनी रंग और तीखे-मीठे स्वाद के पीछे छुपे कई ऐसे गुण हैं, जो आपको हैरान कर सकते हैं। तो चलिए, जानते हैं जामुन के उन फायदों के बारे में जो इसे प्रकृति का अनमोल तोहफा बनाते हैं।

दरअसल, जामुन का वैज्ञानिक नाम सिजीगियम क्यूमिनी है। जामुन भारत सहित दक्षिण एशिया में खूब पाया जाता है। गर्मियों में पैदा होने वाला जामुन स्वाद में खट्टा-मीठा होता है। आमतौर पर इसको नमक के साथ खाया जाता है। बताया जाता है कि जामुन का फल 70 प्रतिशत खाने योग्य होता है। इसमें ग्लूकोज और फ्रक्टोज दो मुख्य स्त्रोत होते हैं। इसके अलावा, ये अन्य फलों की तुलना में कम कैलोरी प्रदान करता है।

इतना ही नहीं, इस फल के बीज में कार्बोहाइ्रेट, प्रोटीन और कैल्शियम की मात्रा भी काफी अधिक होती है और इसमें विटामिन बी, कैरोटिन, मैग्नीशियम और फाइबर भी पाया जाता है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेिसिन ने भी जामुन के गुणों का लोहा माना है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेिसिन में प्रकाशित (अक्टूबर, 2022) एक रिपोर्ट के अनुसार, जामुन को ायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्ल प्रेशर और मोटापे जैसी चयापचय (मेटाबॉलिक) समस्याओं के इलाज में खास तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इस वजह से जामुन मेटाबॉलिक सिं्रोम नाम की स्थिति में भी फायदेमंद हो सकता है।

शोध के मुताबिक, नतीजों से पता चला कि जामुन इन समस्याओं के लक्षणों और संकेतकों को बेहतर करने में मदद करता है। कई शोधों में ये भी देखा गया कि जामुन न सिर्फ मेटाबॉलिक सिं्रोम बल्कि दूसरी बीमारियों में भी असरदार है। आज इसे लोक दवा के तौर पर मेटाबॉलिक सिं्रोम के मरीजों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी

-ललित गर्ग-

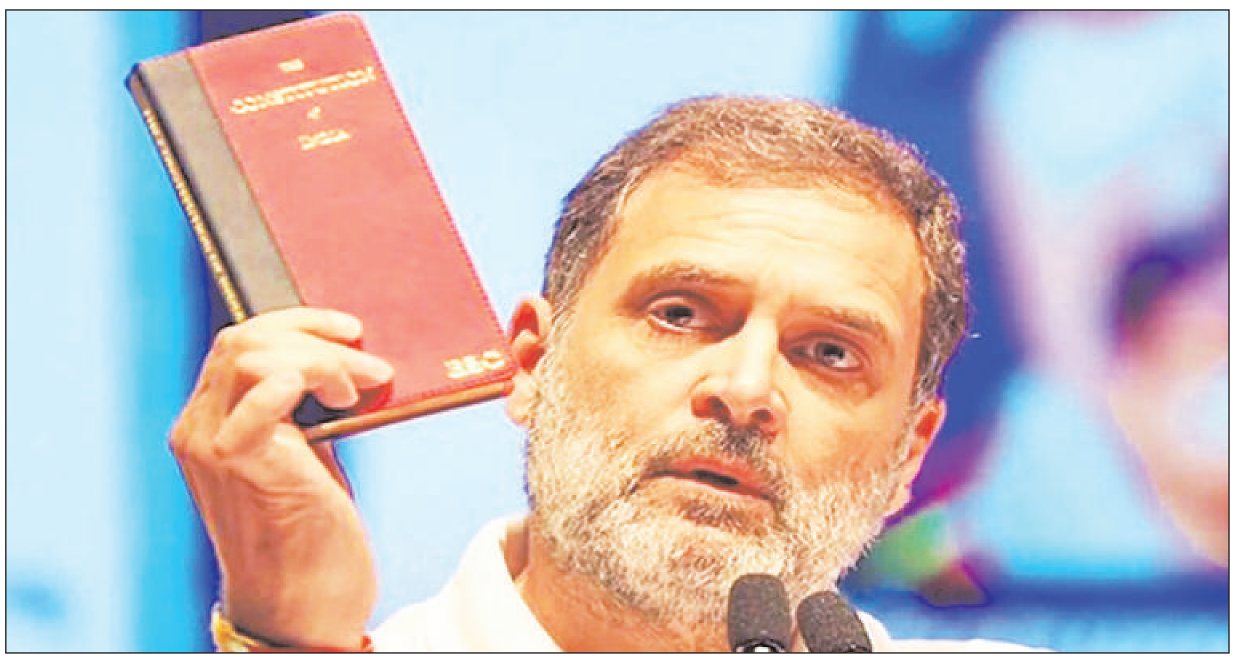

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना प़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछ़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप- मुख्यमंत्री ी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक ब़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है।

मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने एलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम ल़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बो़र्ो की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछ़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है। अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठं नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी। अब तो तीर कमान से निकल चुका है, भले ही अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सफाई देने में लगे हैं कि उनके बयान को तो़-मरो़कर पेश किया गया और वह संविधान में बदलाव का प्रस्ताव कभी नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का पक्षधर नहीं है। ॉ. भीमराव आंबेकर भी ऐसे आरक्षण के हिमायती नहीं थे। संविधान सभा में एकमत के साथ यह तय हुआ था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब अगर ऐसे आरक्षण की जरूरत प़ने लगी है, या कांग्रेस मुसलमानों के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिये आरक्षण का हथियार चलाती है तो संविधान में संशोधन तो करना ही होगा। अपने आजाद देश में जरूरतमंदों को आरक्षण देने के लिए करीब 12 बार संविधान में संशोधन किए गए है और मुस्लिमों को महज मजहबी बुनियाद पर आरक्षण देने के लिए भी ऐसी जरूरत प़ेगी।

गांधी परिवार के अत्यंत करीबी कर्नाटक के ि्टी सीएम के बयान को सुनकर लोग हैरत में हैं। लोग संविधान के खिलाफ धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की कोशिश का विरोध कर रहे हैं। धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उ़ा दी है। कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है। कांग्रेस भारत के संविधान के साथ खिलवा़ कर रही हैं, मुस्लिम आरक्षण को संविधान में जगह देकर संविधान निमार्ता बाबा साहेब अंबेकर के खिलाफत की जा रही है। मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक हैं। कांग्रेस बार-बार मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर संविधान की मूल भावना को चुनौती दे रही है। मुस्लिम वोटबैंक के लिए ऐसा किया जाना संविधान की मूल भावना से खिलवा है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी का रवैया आरक्षण को लेकर समय-समय पर बदलता रहा है। कभी उसने संविधान संशोधन की बात की, तो कभी आरक्षण का विरोध किया, तो कभी धर्म के आधार पर आरक्षण देने के प्रयास भी किए। आपातकाल के काले दौर में कांग्रेस द्वारा ऐसा भी किया गया, जब इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान की मूल प्रस्तावना ही बदल ाली। कांग्रेस नेता संविधान की किताब जेब में रखते हैं, लेकिन इसे कमजोर करने के लिए हरसंभव कोशिश भी करते हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव क्यों करना चाहती है कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। जबकि वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। भारतीय संविधान और लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की मंशा से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं। प्रेषक

एक कॉमेयिन से सरकार का रना अपने आप में कॉमी है

- ॉ. दीपक पाचपोर

यह विधिसम्मत है। अब यह भी सोचें कि जो भाजपा, शिंदे की शिवसेना तथा अजित पवार कह रहे हैं या कर रहे हैं वह संविधानसम्मत या कानून के अंतर्गत है बिलकुल नहीं! आयोजनस्थल की तो़-फो़ करना कानूनी तौर पर सही नहीं है क्योंकि मामले की अभी तक पुलिस जांच भी प्रारम्भ नहीं हुई है। यदि न्यायालय कुणाल कामरा की कॉमी में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाता और कॉमेयिन को क्लीन चिट देता है तो क्या सरकार या महानगरपालिका उस होटल व स्टूयिो को मुआवजा देगी

ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय...
ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय...
एक झलक दिखलाए कभी गुवाहाटी में छिप जाए...
मेरी नजर से तुम देखो गद्दार नजर वो आए।
ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय।
मंत्री नहीं वो दलबदलू है और कहा क्या जाए...
जिस थाली में खाए उसमें ही छेद कर जाए...
मंत्रालय से ज्यादा फणवीस की गोदी में मिल जाए...
तीर कमान मिला है इसको बाप मेरा ये चाहे...
ठाणे की रिक्शा...ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय...।

मनोरंजन करके गुजारा करने वाले एक अदने से स्टैंअप कॉमेयिन ने मुम्बई में एक शो के दौरान प्रसिद्ध हिन्दी मूवी दिल तो पागल है के एक गीत की केवल 10 पंक्तियों की पैरोी क्या सुना दी, महाराष्ट्र सरकार मानों सुलग उठी है। इस सरकार को चलाने वाली भारतीय जनता पार्टी, अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना बौखलाई हुई हैं। पुलिस एफआईआर दज र्कर कामरा के खिलाफ एक्शन ले रही है, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणवीस ने बयान दिया है कि स्टैंअप कॉमी की आजादी है लेकिन कोई भी जो चाहे वह नहीं बोल सकता। उनके अनुसार कुणाल को माफी मांगनी चाहिये। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एक उप मुख्यमंत्री अजित पवार कहते हैं कि किसी को भी कानून व संविधान से बाहर नहीं जाना चाहिये, तो दूसरे उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जिन पर यह पैरोी रची गयी है, का कहना है- किसी पर हास्य-व्यंग्य करना, कटाक्ष करना गलत नहीं है, लेकिन इसकी एक मयार्दा होती है। कुणाल कामरा ने जो किया, लगता है कि उन्होंने सुपारी लेकर किया है। कटाक्ष करते समय एक शिष्टाचार बनाए रखा जाना चाहिए, वर्ना एक्शन का रिएक्शन भी होता है। पहले तो शिंदे को पता करना चाहिये कि सुपारी किसने दी है। खैर...बहरहाल, रिएक्शन होता दिख रहा है। शो का आयोजन खार के जिस यूनिकांटिनेंटल क्लब में हुआ था उस आयोजन स्थल पर शिंदे गुट के कार्यकताओं ने तो़-फो़ कर दी, मुम्बई महानगरपालिका ने वहां हथौा़ चला दिया, कार्यकर्ता पहले ही धमकी दे चुके हैं कि वे महाराष्ट्र तो क्या देश भर में कामरा को घूमने-फिरने तथा शो नहीं करने देंगे। पार्टी प्रवक्ता साफ कर चुके हैं कि कॉमेयिन से शिवसेना स्टाइल में निपटा जायेगा। इतना ही नहीं, कामरा के साथ कुछ कार्यकर्ता फोन पर गाली-गलौज कर रहे हैं। मार्के की बात यह है कि मयार्दा व कानून में रहकर कॉमी करने की सलाह सरकार के तीनों ही धे़ निहायत ही अमर्यादित ढंग से और कानून को हाथ में लेकर दे रहे हैं। यही अपने आप में कॉमी है जो ऐसी ही सरकार कर सकती है जिसका बनना और चलना साक्षात कॉमी सर्कस है। देखना यह है कि भारत दुनिया का सबसे ब़ा लोकतंत्र है, लोकतंत्र भारत के डीएनए में है और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है जैसे की भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार कॉमेयिन कुणाल कामरा के साथ क्या करती है। जो भी करे, वह भविष्य की बात होगी। लेकिन मुम्बई के खार पुलिस स्टेशन का सम्मन कुणाल को भिजवा दिया गया है।

शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों के खिलाफ आवाज

इंिया ब्लॉक के छात्र संगठनों ने शिक्षा के निजीकरण, भगवाकरण के विरोध और छात्र संघ की बहाली को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि सरकार आरएसएस की विचारधारा थोप रही है और शिक्षा को व्यापार बना रही है। इस प्रदर्शन में एनएसयूआई, आईसा, एसएफआई, एआईएसएफ, एमएसएफ, सीआरजी और समाजवादी छात्रसभा ये सभी छात्र संगठन एक बैनर के तले पहुंचे। छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार की नीतियों से शिक्षा महंगी हुई है. गरीब बच्चों की पहुंच से अच्छी शिक्षा दूर होती जा रही है। छात्रों ने आरोप है कि शिक्षा का निजीकरण और केंद्रीकरण किया जा रहा है। गरीब विरोधी नीतियों का असर मध्यम वर्ग के छात्रों की शिक्षा पर प़ रहा है। धांधली और पेपर लीक जैसी समस्याओं के खिलाफ छात्र संगठनों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालयों में चुनावों की बहाली, प्रशासन में पारदर्शिता और आरक्षण से जु़े मुद्दों पर भी छात्रों ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शन को लेकर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा, सरकार शिक्षा प्रणाली को कमजोर कर रही है। छात्र संघों के चुनावों पर रोक से साफ है कि सरकार शिक्षित और जागरूक युवाओं से रती है। अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती, तो आंदोलन और ब़ा होगा और देशभर में गूंज सुनाई देगी।

महीने भर के भीतर दूसरी बार इस तरह से अलग-अलग छात्र संगठन जंतर-मंतर पर एकत्र हुए हैं। इधर अलग-अलग विश्वविद्यालयों में जागरुक छात्र अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते ही रहते हैं। लेकिन इस वक्त जिस तरह से सरकार की नीतियों के खिलाफ छात्र संगठन एकजुट हो रहे हैं, वह देश में बे़ बदलाव की आहट देता है। इतिहास गवाह है कि जब भी युवा शक्ति ने आवाज उठाई है, तब सत्ताधीशों को बी़ चोट पहुंची है। फिलहाल छात्र संगठनों ने आंदोलन बढ़ने की जो चेतावनी दी है, उसे मोदी सरकार को सुनना चाहिए। क्योंकि जो सवाल छात्र उठा रहे हैं, वो बेमानी नहीं हैं, न ही इनमें किसी एक पार्टी का एजेंा बढ़ाया जा रहा है। बल्कि यह समाज के समग्र विकास और युवा पीढ़ी की बेहतरी के लिए ही है। इसी बेहतरी का दावा नरेन्द्र मोदी कई बार करते रहे हैं। संकल्प, ऊर्जा, दृढ़ विश्वास, जैसे शब्दों के दोहराव अलग-अलग तरीके से करते हुए श्री मोदी कई मंचों से यह बात कह चुके हैं कि उनकी सारी नीतियां और फैसले देश को विकास की राह पर ले जा रहे हैं, जिसमें नयी पीढ़ी के लिए सब कुछ अच्छा ही अच्छा है। लेकिन हकीकत कुछ और ही है। छात्रों के सामने अब केवल ि्री हासिल करने के बाद नौकरी मिलने की चिंता ही नहीं है, बल्कि उस ि्री की राह में भी अब कई रो़े आ रहे हैं। पेपर लीक और परीक्षाओं में कई किस्म की धांधलियां तो एक बी़ समस्या है ही, इसके अलावा अब वैचारिक मतभेद रखने पर भी छात्र अन्याय का शिकार हो रहे हैं। ताजा प्रकरण नयी दिल्ली से ही सामने आया है, जहां ॉ. बीआर आंबेकर विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष की एमए छात्रा को इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर विश्वविद्यालय की कुलपति अनु सिंह लाठर द्वारा दिए गए भाषण की कथित रूप से आलोचना करने के लिए निलंबित कर दिया गया है। खबर के मुताबिक कुलपति लाठर ने अपने भाषण में कहा था कि राम जन्मभूमि आंदोलन 525 साल पुराना है और यह कोई नया मुद्दा नहीं है। कुलपति ने राम मंदिर की स्थापना के लिए राज्य की सराहना की और ॉ. बीआर आंबेकर को सिफ र्दलित समुदाय का व्यक्ति न मानकर राष्ट्रीय व्यक्ति बनाने की बात कही थी। इस भाषण के बाद 28 जनवरी को आईसा से जु़ी छात्रा ने कुलपति द्वारा की गई टिप्पणियों की निंदा की थी। जिस पर 21 मार्च को प्रॉक्टोरियल बो़र् के एक आदेश में विश्वविद्यालय ने अनुशासनहीनता और संस्थान प्रमुख के खिलाफ अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप छात्रा को छह महीने (पूर्ण शीतकालीन सेमेस्टर) के लिए निलंबित कर दिया गया है तथा इस अवधि के दौरान परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। विश्वविद्यालय ने कहा कि छात्रा को 17 फरवरी को कारण बताओ नोटिस दिया गया था और उसे 28 फरवरी को प्रॉक्टोरल बो़र् के साथ व्यक्तिगत बातचीत के लिए उसके माता-पिता के साथ बुलाया गया था। निलंबन आदेश में कहा गया है कि केवल छात्रा ही प्रॉक्टोरल मीटिंग में आई थी और उसके माता-पिता नहीं आए थे। प्रॉक्टोरल मीटिंग के बाद छात्रा द्वारा लिखित प्रतिक्रिया माफी मांगने वाली नहीं थी। वहीं निलंबित छात्रा ने आरोप लगाया कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह मुस्लिम पहचान वाली महिला हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने अंतिम सेमेस्टर में हूं और अंतिम सबमिशन मई के मध्य में होना है। यह मेरी ि्री को एक साल के लिए बढ़ाने का एक बहुत ही सचेत प्रयास है। पीि़त छात्रा ने एक गंभीर सवाल उठाया है कि, यदि केवल सवाल पूछने के कृत्य को ही आपराधिक बना दिया जाए तो हमारे विश्वविद्यालयों को किस बात के लिए ख़ा होना चाहिए इस मानसिक और भावनात्मक उत्पी़न को और बढ़ाने के पीछे स्पष्ट प्रेरणा और कुछ नहीं बल्कि प्रशासन द्वारा सभी असहमत छात्रों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने और उनकी आवाज को अनिश्चितकाल के लिए दबाने की एक जानबूझकर की गई साजिश है। विश्वविद्यालय इस टिप्पणी पर क्या प्रतिक्रिया देता है, यह देखना होगा।

सत्तारूढ़ दल के पूर्व मंत्री को हत्या के आरोप में बरी किए जाने के हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के पूर्व मंत्री आफताब आलम को कई लोगों को जिंदा जलाने के आरोप में जिला अदालत से आजीवन कारावास की सजा को हाई कोर्ट ने रद्द करते हुए सभी आरोपों से बरी करने का फैसला किया था। हाई कोर्ट के इस फैसले को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। नेपाल सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल ने आज सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करते हुए हाई कोर्ट के फैसले को गलत बताते हुए जिला अदालत के फैसले को लागू करने की मांग की है। आफताब आलम सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के प्रभावशाली नेताओं में से एक है और पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा के बेहद करीबी माना जाता है। हाई कोर्ट द्वारा रिहाई के फैसले पर देउवा ने प्रसन्नता व्यक्त की थी। हालांकि यह फैसला देने वाले हाईकोर्ट के दोनों जजों को न्याय परिषद ने निलंबित कर दिया है। नेपाल सरकार के अटॉर्नी जनरल के प्रवक्ता सूर्यराज दहाल ने बताया कि 23 लोगों को ईंटे की भट्टी में झोंक कर हत्या किए जाने का प्रत्यक्ष प्रमाण होने के बावजूद हाई कोर्ट ने आरोपित को सभी आरोपों से मुक्त कर न्याय के सिद्धांत के विपरीत कार्य किया है। 2015 में हुए पहले संविधान सभा चुनाव के दौरान आफताब आलम के लिए बूथ कब्जा के लिए बिहार से बुलाए गए 23 लोगों की खुद ही बम बनाए जाने के क्रम में विस्फोट होने से सभी घायल हो गए थे।

नेपाल सरकार ने टेलीग्राम एप पर प्रतिबंध लगाया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने टेलीग्राम एप पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस एप के माध्यम से ठगी के कई मामले सामने आने के बाद सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लेने की जानकारी सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण को देते हुए इसपर तत्काल बीबीसी कार्यान्वयन का निर्देश दिया गया है। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण ने टेलीग्राम एप पर सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने की सूचना प्रकाशित करते हुए 18 जुलाई की मध्यरात से इसके निष्प्रभावी होने की बात कही है। प्राधिकरण ने उन देश में टेलीग्राम का प्रयोग करने वाले सभी लोगों को अपनी तकनीकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस एप को तत्काल ही अपने मोबाइल से हटाने का अनुरोध किया है। टेलीग्राम एप का प्रयोग कर कई चीनी नागरिकों द्वारा ठगी का धंधा चलाए जाने की शिकायत के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है।

मध्य प्रदेश-सबमर साझेदारी टिकाऊ डिजिटल विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम : डॉ. मोहन यादव

बार्सिलोना। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दौरान मध्य प्रदेश सरकार और वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनी सबमर टेक्नोलॉजीस एसएल के बीच डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक समझौता हुआ। बार्सिलोना में मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम और सबमर के बीच एमओयू संपन्न हुआ। इस समझौते में निवेश, तकनीकी सहयोग और सतत डिजिटल अवसंरचना के विकास पर फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस समझौते को मध्य प्रदेश-सबमर साझेदारी टिकाऊ डिजिटल विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। मुख्यमंत्री ने 17 जुलाई को बार्सिलोना स्थित सबमर मुख्यालय का भ्रमण किया था। इस समझौते के अंतर्गत मध्यप्रदेश में नेक्स्ट जनरेशन के एआई-रेडी डाटा सेंटर की क्षमता को संयुक्त रूप से एक गीगावॉट तक विकसित करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग स्थापित किया गया है। यह समझौता उन्नत लिक्विड-कूलिंग तकनीकों जैसे इमर्शन कूलिंग और डायरेक्ट-टू-चिप समाधानों पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य ऊर्जा खपत, जल उपयोग और पर्यावरणीय प्रभाव को काफी हद तक कम करना है। यह सहयोग डाटा सेंटर संचालन के लिए वैश्विक दक्षता मानकों के अनुरूप है।

बांग्लादेश के हिंसाग्रस्त गोपालगंज में तीन घंटे की ढील के बाद दोबारा कर्फ्यू लगाया गया

ढाका। बांग्लादेश के गोपालगंज में हिंसा, गोलीबारी और आगजनी के बाद लगाए गए कर्फ्यू के बाद भी हालात नहीं सुधरे। प्रशासन ने आज दिन में तीन घंटे की ढील के बाद फिर कर्फ्यू लगा दिया। प्रशासन ने शनिवार सुबह छह बजे तक स्थिति में सुधार नहीं होने पर कर्फ्यू की मियाद बढ़ाने की घोषणा की है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार गोपालगंज में हुई हिंसक झड़पों के बाद लगाया गया कर्फ्यू कल सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। यह घोषणा अब से कुछ देर पहले गोपालगंज के उपायुक्त मोहम्मद कमरुज्जमां ने की। अधिकारियों ने कहा कि कर्फ्यू के संबंध में अगला निर्णय सुबह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के परामर्श के आधार पर लिया जाएगा। नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की रैली को लेकर अवामी लीग समर्थकों और कानून प्रवर्तकों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद बुधवार रात 8:00 बजे से 6:00 बजे तक कर्फ्यू लागू किया गया था। इस झड़प में कम से कम चार लोग मारे गए और लगभग 50 लोग घायल हो गए।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भारी बारिश और बाढ़ से तबाही, 48 घंटों में 71 मौतें

एजेंसी

लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मॉनसून की बारिश ने भारी तबाही मचाई है। 10 और लोगों की मौत के साथ, पिछले 48 घंटों में प्रांत में बारिश से संबंधित हादसों में 71 लोगों की जान चली गई। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'डॉन' ने प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के हवाले से बताया कि 25 जून से अब तक 123 लोगों की मौत हो चुकी है और 462 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान रिकॉर्ड बारिश से बाढ़ की स्थिति हो गई, जिससे आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए। पीडीएमए के अनुसार, पिछले दो दिनों में ही 71 मौतें दर्ज की गईं। लाहौर और चिनिओत में तीन-तीन, ओकारा में दो, और चकवाल व सरगोधा में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। चकवाल में दो लोग तेज धाराओं में बह गए, जिनके शव बरामद किए गए, जबकि एक व्यक्ति भारी बारिश

के कारण छत ढहने से मलबे में दबकर मर गया। चकवाल प्रांत के सबसे प्रभावित क्षेत्रों में से एक रहा, जहां पिछले तीन दिनों में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने 20 जुलाई से और अधिक मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की है। पीडीएमए ने अगले 24 घंटों में कालाबाग और चश्मा में सिंधु नदी में उच्च-स्तरीय बाढ़ की चेतावनी भी दी है। प्रशासन को सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालने के लिए बचाव कार्य जोर-शोर से चल रहे हैं। पीडीएमए के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने बताया कि पोथोहार क्षेत्र में 1 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें झेलम में 398, चकवाल में 209 और रावलपिंडी में 450 लोग शामिल हैं। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फारूक अहमद के अनुसार, चकवाल में भारी बारिश के कारण हुए हादसों में तीन लोगों की जान चली गई। पिछले तीन दिनों में रिकॉर्ड बारिश के कारण यह जिला सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक है। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ जिले का दौरा कर सकती हैं।

नेपाल से प्रतिदिन 2300 युवाओं का विदेश पलायन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के युवाओं का विदेश पलायन की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक नेपाल से प्रतिदिन औसतन 2300 युवा रोजगार के लिए विदेश जा रहे हैं। नेपाल सरकार के श्रम तथा रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आते रोजगार विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024/25 में रिकॉर्ड-उच्च संख्या में नेपालियों को विदेशी रोजगार के लिए श्रम परमिट दिया गया है। विभाग ने शनिवार को बताया कि इस वित्तीय वर्ष में कुल 8,39,270 व्यक्तियों को श्रम अनुमोदन प्रदान किया गया है, जो अब तक दर्ज किया गया सबसे अधिक आंकड़ा है। इनमें कुल 7,44,811 पुरुष थे और 94,455 महिलाएं थीं। विभाग द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन आंकड़ों को सार्वजनिक किया गया। विभाग के महानिदेशक कमल प्रसाद भट्टराई ने बताया कि 60 प्रतिशत परमिट पहली बार आवेदन करने वाले आवेदकों को जारी किए गए थे, जबकि 40 प्रतिशत परमिट नवीनीकरण किए गए थे। उन्होंने कहा कि भर्ती एजेंसियों के माध्यम से 3,59,675 परमिट जारी किए गए थे, जबकि 3,33,309 नवीनीकरण किए गए थे। इनमें 1,33,627 नए व्यक्तिगत परमिट थे और 12,653 दक्षिण कोरिया, इजराइल और यूनाइटेड किंगडम में सरकार से सरकार (जी2जी) कार्यक्रमों के तहत स्वीकृति दी गई है। 2024/25 में नेपाली श्रमिकों के लिए शीर्ष दस विदेशी रोजगार गंतव्य संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, कतर, कुवैत, मलेशिया, रोमानिया, जापान, दक्षिण कोरिया, क्रोएशिया और बहरीन रहे। औसतन, प्रति माह 69,939 परमिट जारी किए गए थे।

तुलसी गबार्ड का दावा, 'ओबामा ने रची थी ट्रंप को सत्ता से हटाने की साजिश'

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनके प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों पर मुकदमा चलाने की मांग की है। डीएनआई ने ओबामा पर साल 2016 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत को नुकसान पहुंचाने और बाद में उनके राष्ट्रपति पद के कार्यकाल को कमजोर करने के लिए मिलकर साजिश रचने का आरोप लगाया है। तुलसी गबार्ड ने एक्स पर लिखा, ओबामा का मकसद राष्ट्रपति ट्रंप को सत्ता से हटाना और अमेरिकी जनता की इच्छा को कुचलना था। चाहे वह कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, इस साजिश में शामिल हर शख्स की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की विश्वसनीयता इसी पर निर्भर करती है। हम आपराधिक जांच के लिए सभी दस्तावेज न्याय विभाग (डीओजे) को सौंप रहे हैं। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक की ओर से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने सबूत पेश किए, जिसमें बताया गया कि कैसे राष्ट्रपति ट्रंप के हिलेरी क्लिंटन के खिलाफ 2016 का चुनाव जीतने के बाद, ओबामा और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के सदस्यों ने जानबूझकर खुफिया सूचनाओं को गढ़ा और राजनीतिक रूप दिया, ताकि राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ तख्तापलट जैसी साजिश की नींव रखी जा सके। नवंबर 2016 के चुनाव से पहले, इंटेलिजेंस कम्युनिटी (आईसी) ने यह आकलन किया कि रूस संभवत: साइबर साधनों का उपयोग करके चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश नहीं कर रहा है। 2016 के चुनाव के बाद, 7 दिसंबर 2016 को, तत्कालीन राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) जेम्स क्लैपर के लिए तैयार किए गए टॉकिंग पॉइंट्स में स्पष्ट रूप से कहा गया था, ÷विदेशी दुश्मनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को बदलने के लिए चुनावी बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले नहीं किए। इसके दो दिन बाद, 9 दिसंबर 2016 को तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के शीर्ष सदस्य शामिल थे। इस बैठक में जेम्स क्लैपर, जॉन ब्रेनन, सुसान राइस, जॉन केरी, लोरेटा लिंच, एंड्रयू मैकेब और अन्य प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। बैठक का उद्देश्य रूस से संबंधित स्थिति पर चर्चा करना था। बैठक के बाद, जेम्स क्लैपर के एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट ने आईसी के नेताओं को एक ई-मेल भेजा, जिसमें निर्देश दिया गया कि वह राष्ट्रपति ओबामा के अनुरोध पर एक नया इंटेलिजेंस कम्युनिटी असेसमेंट तैयार करें।

लॉस एंजिल्स के पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में धमाका, तीन अधिकारियों की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के लॉस एंजिल्स में सुबह हुए विस्फोट से लोग दहल गए। यह विस्फोट मोंटेरे पार्क स्थित बिस्कैलुज पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में हुआ। इस केंद्र के आवास से गुरुवार को बरामद विस्फोटक सामग्री और उपकरणों को जांच के लिए रखा गया था। जांच के लिए यहां पहुंचे अधिकारी जोशुआ केली-एकलुंड, विक्टर लेमस और विलियम ऑस्बोर्न अचानक हुए विस्फोट की चपेट में आ गए, जिससे इन तीन अधिकारियों की मौत हो गई। एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, शेरिफ रॉबर्ट लूना ने एक संवाददाता सम्मेलन में घटना का विवरण देते हुए कहा कि विस्फोट में लॉस एंजिल्स शेरिफ के तीन तीन डिप्टी (पुलिस अधिकारी) अधिकारियों की मौत हो गई। किसी और को चोट नहीं आई। विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चला है। लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने तीनों पुलिस अधिकारियों की मौत पर दुख जताया है। लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग के बम निरोधक दस्ते के अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि विस्फोटक सामग्री और उपकरणों को सुरक्षित रखने के दौरान यह धमाका हुआ। प्रशिक्षण केंद्र में ग्रेनेड से भरा एक बैग भी रखा था। बताया गया है कि संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) को घटना की जांच में शामिल किया गया है।

पुलिस प्रमुख जिम मैकडॉनेल ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही विस्फोट के कारणों का पता चल सकेगा। लॉस एंजिल्स काउंटी पर्यवेक्षक बोर्ड की अध्यक्ष कैथरीन बार्गर ने कहा कि स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

जल्द ही होंगे कुछ बड़े व्यापार समझौते, अमेरिका बनेगा क्रिप्टो की राजधानी : ट्रंप

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जल्द ही कुछ बड़े व्यापारिक समझौते घोषित किए जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ये समझौते लगभग तैयार हैं और किसी भी समय घोषित किए जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में स्टेबलकॉइन अधिनियम पर हस्ताक्षर समारोह के दौरान ट्रंप ने कहा, हम इसे आज ही कर सकते हैं... शायद थोड़ी देर बाद। हम करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा, जब मैं किसी देश को यह पेपर भेजता हूं कि उन्हें 35 या 40 प्रतिशत टैरिफ देना होगा, तो वहीं से डील शुरू हो जाती है। फिर वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि क्या कुछ अलग तरह की डील हो सकती है, जैसे कि अपने देश को व्यापार के लिए खोलना। उन्होंने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले व्यापक प्रतिपक्षी टैरिफ की 90 दिनों की स्थगन अवधि को 9 जुलाई से बढ़ाकर 1

अगस्त तक कर दिया गया है। इस दौरान कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ वार्ता जारी है। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि 1 अगस्त की समयसीमा के बाद कोई और बदलाव या विस्तार नहीं होगा और उस दिन से टैरिफ लागू होना शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर ट्रंप ने एक ऐतिहासिक स्टेबलकॉइन अधिनियम पर भी हस्ताक्षर किए, जो इस क्षेत्र में अमेरिका का पहला संघीय विनियमन है। ट्रंप ने कहा, जीईएनआईयूएस एक्ट एक स्पष्ट और सरल नियामकीय ढांचा प्रदान करता है, जो डॉलर समर्थित स्टेबलकॉइनों की जबरदस्त संभावनाओं को सामने लाएगा। यह अधिनियम स्टेबलकॉइन के लिए मानक तय करता है, जो अमेरिकी डॉलर या अन्य फिएट मुद्राओं से जुड़े डिजिटल करेंसी होते हैं। इसकी निगरानी फेडरल रिजर्व और मुद्रा नियंत्रक कार्यालय द्वारा की जाएगी। इसके तहत जारीकर्ताओं को यह जानकारी साझा करना अनिवार्य होगा कि उनके पास आरक्षित निधियों के रूप में अमेरिकी मुद्रा, मांग जमा, सरकारी प्रतिभूतियां और अन्य स्वीकृत परिसंपत्तियां मौजूद हैं। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि वह अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाना चाहते हैं। उनके अनुसार, स्टेबलकॉइनों का उपयोग अमेरिकी ट्रेजरी में मांग को बढ़ाएगा, ब्याज दरों को कम करेगा और डॉलर को वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में मजबूत बनाएगा।

ट्रंप ने रूपर्ट मर्डोक, द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प पर दायर किया मुकदमा, हर्जाना मांगा 10 अरब डॉलर

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने दुनिया के प्रमुख मीडिया दिग्गज रूपर्ट मर्डोक के अखबार द वाल स्ट्रीट जर्नल पर छपी एक खबर पर मोटा हर्जाना मांगा है। उन्होंने रूपर्ट मर्डोक, द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प के खिलाफ मुकदमा दायर कर हर्जाना के रूप में 10 अरब डॉलर दिलाने की मांग की है। वह द वाल स्ट्रीट जनरल में जेफरी एपस्टीन को कभी लिखे गए उनके कथित अश्लील पत्र के छपने से आगबबूला हैं। सीएनबीसी की खबर के अनुसार, द वाल स्ट्रीट जर्नल में छपी विशेष खबर में दावा किया गया है कि ट्रंप ने अपने तत्कालीन मित्र जेफरी एपस्टीन को उनके 50वें जन्मदिन पर एक नग्न महिला के चित्र के साथ अश्लील पत्र भेजा था। राष्ट्रपति ट्रंप ने फ्लोरिडा के दक्षिणी जिले की संघीय अदालत में दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने मुकदमे में प्रतिवादी के रूप में मर्डोक, उनकी कंपनी न्यूजकॉर्प, न्यूजकॉर्प के सीईओ रॉबर्ट थॉमसन, द वाल स्ट्रीट जर्नल की प्रकाशक कंपनी डॉव जोन्स एंड कंपनी और इस खबर को ब्रेक करने वाले दो पत्रकारों को नामित किया है। डॉव जोन्स के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा है, हमें अपनी खबर की सत्यता और सटीकता पर पूरा भरोसा है। हम किसी भी मुकदमे का पूरी ताकत से बचाव करेंगे। यह मुकदमा ऐसे समय में दायर हुआ है जब न्याय विभाग पर एपस्टीन के बारे में की जांच को सार्वजनिक करने का दबाव है।

भारत नहीं दे रहा तरजीह, डोनाल्ड ट्रंप बौखलाहट में फिर बोले : भारत-पाकिस्तान की मध्यस्थता हमने की

एजेंसी

वाशिंगटन । भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने दावे हैं, लेकिन वैश्विक परिदृश्य में उनकी बात का समर्थन करने वाला कोई देश अब तक सामने नहीं आया है। यहां तक कि भारत दो टूक शब्दों में कह चुका है कि संघर्ष-विराम आपसी सहमति से हुआ, जिसमें तीसरे किसी देश का दखल नहीं था। मतलब यह कि भारत स्पष्ट तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के दावों को खारिज कर चुका है। हालांकि, इस बौखलाहट में अमेरिकी राष्ट्रपति कहीं न कहीं जबरन क्रेडिट लेने की कोशिश में हर जगह अपने बयानों को दोहरा रहे हैं। इस बार उन्होंने एक कदम आगे बढ़ते हुए 5 फाइटर जेट गिराए जाने वाला दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने इस दावे को भी दोहराया कि उनके हस्तक्षेप के बाद लड़ाई समाप्त हो गई। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये फाइटर जेट भारत के थे या पाकिस्तान के, या दोनों देशों को मिलाकर उन्होंने यह संख्या बताई। डोनाल्ड ट्रंप को रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान व्हाइट हाउस में बोल रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हमने कई युद्धों को रोका, और ये कोई मामूली नहीं थे। भारत और पाकिस्तान के बीच जो कुछ चल रहा था, वह गंभीर था। वहां विमान मार गिराए जा रहे थे। मेरा मानना है कि लगभग पांच लड़ाकू विमान गिराए गए थे। उन्होंने आगे कहा, ये दोनों गंभीर परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और वे एक-दूसरे पर हमला कर रहे थे। ये एक नई तरह की जंग जैसा लग रहा था। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बीच ईरान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, आपने हाल ही में देखा, जब हमने ईरान में कार्रवाई की। हमने उनकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह खत्म कर दिया, बिल्कुल नष्ट कर दिया। लेकिन भारत और पाकिस्तान आपस में भिड़े हुए थे और यह टकराव लगातार बढ़ रहा था। हमने इसे व्यापार के जरिए हल किया। हमने कहा कि अगर आप व्यापार समझौता करना चाहते हैं, तो ऐसा नहीं हो सकता कि आप हथियार, और शायद परमाणु हथियार, इधर-उधर फेंक रहे हों। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इन हमलों के बाद चार दिनों तक संघर्ष चला, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुआ। 10 मई के बाद से डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर अपने इस दावे को दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को समाप्त कराया, जबकि ट्रंप के संघर्ष समाप्त कराने के दावे को भारत नकार चुका है। जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधे डोनाल्ड ट्रंप से बात की थी, जिसमें अमेरिका की कथित ट्रेड डील रोकने की धमकी और मध्यस्थता के दावों को सिरे से खारिज किया गया।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक की घोषणा-सीरिया और इजराइल युद्धविराम पर सहमत

एजेंसी

अंकारा (तुर्किये)। तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक ने कहा कि सीरिया और इजराइल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते को तुर्किये, जॉर्डन और अन्य पड़ोसी देशों ने स्वीकार कर लिया है। बैरक सीरिया में अमेरिका के विशेष दूत भी हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट पर यह जानकारी साझा की। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, बैरक ने ड्रूज, बेडौइन और सुन्नियों से हथियार डालने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह लोग अन्य अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर अपने पड़ोसियों के साथ शांति और समृद्धि में एकजुट होकर सीरियाई पहचान का निर्माण करें। उधर, सीरिया में अमेरिका के विशेष दूत बैरक की घोषणा पर अभी किसी भी पक्ष ने कोई टिप्पणी नहीं की। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने सीरिया पर हवाई हमले किए थे। इजराइल ने कहा था कि वह अरब धार्मिक

अल्पसंख्यक ड्रूज की रक्षा करेगा। सीरिया में तानाशाह बशर अल-असद के पतन के बाद से सरकार समर्थक बलों और ड्रूज के बीच संघर्ष में कई लोग मारे गए हैं। दमिश्क पर इजराइल के हवाई हमलों में कई सरकारी इमारतें निशाना बनीं। कम से कम तीन लोग मारे गए। एक सीरियाई टेलीविजन चैनल के एक वीडियो में रक्षा मंत्रालय की इमारत पर लाइव प्रसारण में हमला दिखाया गया। इस दौरान एंकर को छुपना पड़ा। सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने स्थानीय समयानुसार कहा कि सीरियाई सेना सुवेदा से पीछे हट रही है। इसके बाद अल-शरा की सरकार ने ड्रूज गुटों के साथ नए युद्धविराम की भी घोषणा की। वहीं, अमेरिका ने बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए संघर्ष को सुलझाने के लिए कूटनीतिक प्रयास शुरू किए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने इस मामले पर चर्चा के लिए तुर्किये के विदेशमंत्री हाकन फिदान से फोन पर बात की। रुबियो ने बुधवार रात कहा था कि संघर्ष से जुड़े सभी पक्ष स्थिति को सुलझाने के लिए सहमत हुए हैं।

वर्ष 2026 को भारत-स्पेन सांस्कृतिक सहयोग वर्ष के रूप में मनाएगी मप्र सरकार: डॉ. मोहन यादव

एजेंसी

बार्सिलोना। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि निवेशकों की जरूरतों को हम अच्छी तरह से जानते हैं। निवेशकों को प्रॉपर्ली फेसिलिटेट करना ही हमारी नीति है। हमारी डेडिकेटेड इन्वेस्टर्स फ्रेंडली 18 औद्योगिक नीतियों के जरिए हमने सबके लिए निवेश के द्वार खोल दिए हैं। मध्य प्रदेश आइए, हमारी नीतियों और उपलब्धियों का अवलोकन कीजिए और निवेश कीजिए। उन्होंने कहा कि भारत और स्पेन के बीच पुराने संबंध हैं। हम उन्हीं संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने यहां आए हैं। हमारी सरकार अगले वर्ष 2026 को भारत-स्पेन सांस्कृतिक सहयोग वर्ष के रूप में मनाएगी। इसके अंतर्गत कला, संस्कृति, साहित्य और फिल्म आधारित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री शुक्रवार को यूरोप यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और स्पेन के बीच फिल्म को-प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हमने स्पेन फिल्म आयोग के साथ फिल्म निर्माण के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और सबमर टेक्नोलॉजी स्पेन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

काबुल में भीषण जल संकट, लोगों ने अंतरिम सरकार से आपूर्ति बढ़ाने की लगाई गुहार

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल इन दिनों गंभीर जल संकट का सामना कर रही है, जिससे शहर के लाखों लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शहर के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में जल स्तर में तेज गिरावट दर्ज की गई है। एक स्थानीय निवासी मोहम्मद आघा ने कहा, हर चीज पानी पर निर्भर है। इसके बिना जीवन बेहद कठिन हो जाता है। अगर पानी मिलना बंद हो जाए, तो लोग भूख और प्यास से मर जाएंगे। एक अन्य निवासी ने बताया, बच्चे और महिलाएं दिन-रात बाल्टी लेकर भटकते हैं, लेकिन कहीं पानी नहीं मिलता। लोगों ने तालिबान के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार से अपील की है कि वह जल आपूर्ति के बुनियादी ढांचे का विस्तार करे और गहरे कुएं खुदवाने की दिशा में ठोस कदम उठाए। संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियों कार्यक्रम (यूएन-हैबिटेट) ने इस जल संकट को अभूतपूर्व करार दिया था। एजेंसी ने कहा कि

जल स्तर में तेज गिरावट से करीब 60 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जो जल संकट के जोखिम में हैं। यूएन एजेंसी ने एक्स पर पोस्ट किया, इस संकट से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश, मजबूत सहयोग और जल प्रबंधन पर सार्वजनिक जागरूकता जरूरी है। पानी ही जीवन है, हमें अभी कार्रवाई करनी होगी। हाल ही में एनजीओ मर्सी कॉर्प्स की एक रिपोर्ट में बताया गया कि काबुल के कई परिवार अपनी आय का लगभग 30 प्रतिशत पानी पर खर्च कर रहे हैं और दो-तिहाई से अधिक परिवार जल संबंधी कर्ज में डूबे हैं। रिपोर्ट में कहा गया, भूजल का दोहन इसकी प्राकृतिक पुनर्भरण क्षमता से कहीं अधिक है और शहर के लगभग आधे बोरवेल पहले ही सूख चुके हैं। यदि जल्द और समन्वित निवेश नहीं हुआ, तो काबुल आधुनिक युग का पहला ऐसा राजधानी शहर बन सकता है, जो पूरी तरह सूख जाए। रिपोर्ट के मुताबिक, 80 प्रतिशत तक भूजल असुरक्षित है, जिसमें सीवेज, आर्सेनिक और लवणता की अधिक मात्रा है, जो जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। इससे पहले मार्च में भी यूएन-हैबिटेट ने चेतावनी दी थी कि देश में करीब 2.1 करोड़ लोगों को जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत है। यूएन-हैबिटेट की अफगानिस्तान प्रमुख स्टेफनी लूज ने कहा, कंधार, काबुल और हेरात जैसे प्रमुख शहर जल संकट का सामना कर रहे हैं, क्योंकि इनका भूजल लगातार घट रहा है। यह स्पष्ट है कि अफगानिस्तान को जल अवसंरचना में बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत है।

जिंस बाजार में चावल-गेहूं नरम, दालों में मिलाजुला रुख, खाद्य तेल सस्ते

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू जिंस बाजारों में चावल और गेहूं के भाव गिर गये। गुड़-चीनी और अधिकतर खाद्य तेलों में भी नरमी रही। दालों दालों में मिला जुला रुख देखा गया। विदेशों में खाद्य तेलों में तेजी रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया में पाम ऑयल में जबरदस्त तेजी रही। अक्टूबर का वायदा 106 रिंगिट चढ़कर 4,316 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिका में सोया तेल का दिसंबर वायदा भी 0.69 प्रतिशत की बढ़त में 56.54 डॉलर बोला गया। घरेलू थोक बाजारों में माँग कमजोर रहने से अनाजों में चावल की औसत कीमत 22 रुपये गिरकर 3,817 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं करीब तीन रुपये टूटकर 2,812 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी पांच रुपये सस्ता होकर औसतन 3,280 रुपये के भाव रहा। अधिकतर खाद्य तेलों में नरमी रही। हालांकि सरसों तेल 87 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। मूंगफली तेल 60 रुपये की गिरावट के साथ बंद हुआ। सोया तेल भी दो रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ। वनस्पति 28 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल में 20 रुपये की गिरावट रही। पाम ऑयल भी 20 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा। दलहन बाजार में चना दाल छह रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, उठाव बढ़ने से तुअर दाल 12 रुपये से ज्यादा महंगी हो गयी। उड़द दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई जबकि मसूर दाल में 16 रुपये की नरमी रही। वहीं, दाल मूंग में भी नौ रुपये से अधिक की तेजी दर्ज की गयी।

वैश्विक विकास अनुमान और घटा सकता है आईएमएफ, गीता गोपीनाथ ने दिये संकेत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने संकेत दिए हैं कि व्यापार-तनावों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त हुई है जिस वजह से वैश्विक विकास अनुमान में और कटौती की जा सकती है। आईएमएफ ने इस साल अप्रैल में जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य में कहा था कि साल 2025 में वैश्विक विकास दर 2.8 प्रतिशत रहने की संभावना है जबकि साल 2026 में यह तीन फीसदी रहेगी। ये अनुमान 3.7 प्रतिशत के ऐतिहासिक औसत से पहले ही काफी कम हैं। उसने नीतिगत अनिश्चितता, व्यापार-तनाव और मांग की सुस्ती को देखते हुए अमेरिका और चीन समेत कई देशों के विकास अनुमानों में कटौती की थी। गीता गोपीनाथ ने दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नेटल में जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की तीसरी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अप्रैल के बाद से आर्थिक संकेतक एक जटिल स्थिति की ओर इशारा कर रहे हैं जिसके केंद्र में व्यापार तनाव है। टैरिफ में वृद्धि से पहले ही हमने कुछ जवाबी प्रतिक्रिया देखी है और व्यापारिक रिश्तों में बदलाव आये हैं। उन्होंने बताया कि जुलाई के अंत में विश्व आर्थिक परिदृश्य का अपडेट जारी किया जायेगा। इसमें विकास अनुमान में और कटौती की संभावना अधिक है। उन्होंने कहा कि अभी अनिश्चितता काफी ज्यादा है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को पहली तिमाही में रिकॉर्ड 30,783 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

मुंबई। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 30,783 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। इसमें उसके एसोसिएट्स और संयुक्त उद्यम वाली कंपनियों से प्राप्त लाभ हिस्सेदारी भी शामिल है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 17,445 करोड़ रुपये की तुलना में यह 76.5 प्रतिशत अधिक है। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने घोषित वित्तीय परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दुनिया में जारी महत्वपूर्ण आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद पहली तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा है। इस दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के कारण ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बनी रही। जियो-बीपी नेटवर्क के जरिये घरेलू बाजार में कंपनी ने फोकस किया। केजीडी6 बेसिन में हालांकि गैस उत्पादन कम रहने से कंपनी का कर पूर्व लाभ प्रभावित हुआ है। श्री अंबानी ने कहा कि कंपनी अपने खुद के एफएमसीजी ब्रांड को मजबूती प्रदान करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने समूह की दूरसंचार सेवा इकाई रिलायंस जियो के प्रदर्शन की सराहना करते हुए बताया कि उसके 5जी सब्सक्राइबरों की संख्या 20 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। जियो फाइबर के 74 लाख से अधिक ग्राहक हो गये हैं।

एलटीआईमाइंडट्री का जून तिमाही में शुद्ध लाभ 10.6 प्रतिशत बढ़कर 1,254 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी परामर्श और डिजिटल समाधान कंपनी एलटीआईमाइंडट्री का अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 10.6 प्रतिशत बढ़कर 1,254.1 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 1,133.8 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 7.6 प्रतिशत बढ़कर 9,840.6 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह 9,142.6 करोड़ रुपये था। तिमाही आधार पर कंपनी के लाभ में लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि राजस्व में 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई।

मखाना टॉप सुपरफूड के रूप में उभरा, बदलती पसंदों से फूड इंडस्ट्री के लिए नए अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारतीय सुपरफूड मखाना ने उपभोक्ताओं के बीच खास जगह बना ली है। फार्मली की हेल्दी स्नैकिंग रिपोर्ट 2025 के अनुसार 65 प्रतिशत उपभोक्ता प्रतिभागियों ने मखाने को अपनी पहली पसंद बताया है। रिपोर्ट में हेल्थी स्नैक्स की ओर मजबूत बदलाव की भी चर्चा की गई है। 55 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ता अब सक्रिय रूप से प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस अलावा, आधे से ज्यादा लगभग 52 प्रतिशत ऐसे स्नैक्स को प्राथमिकता देते हैं, जो दोबारा सील होने वाली, पर्यावरण- अनुकूल पैकेजिंग में आते हैं। यह पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार उपभोक्ताओं के बीच सुविधा एक प्रमुख कारक बनी हुई है। लगभग 45 प्रतिशत अपभोक्ता बार और सूखे मेवे आधारित मिठाइयों

जैसे चलते-फिरते नाशते को पसंद करते हैं। नमकीन विक्लपों में मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे स्पष्ट रूप से पसंदीदा हैं। इससे बाजार में स्वस्थ नाश्ते के विकल्पों की एक नई लहर चल पड़ी है। इन रुझानों से यह संकेत मिलता है कि उपभोक्ता अब सेहत पर केंद्रित, टिकाऊ और सुविधाजनक स्नैक विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बदलाव उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है, जो बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुसार अपने उत्पाद पेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरे हैं। 36 प्रतिशत उपभोक्ता उत्तरदाताओं ने भुने हुए और स्वादयुक्त सूखे मेवों को सबसे पसंदीदा नमकीन नाश्ते के रूप में पसंद किया। वहीं 19 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विशेष रूप से मखाना को चुना, जो आधुनिक समय के सुपर-स्नैक में इस परिवर्तन को दर्शाता है। यह बढ़ती लोकप्रियता भारत सरकार द्वारा बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की हाल की घोषणा के अनुरूप है। निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 में मखाना बोर्ड का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य राज्य के प्रमुख मखाना उद्योग को बढ़ावा देना है। हालांकि नए प्रारूप लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन चिप्स और वेफर्स जैसे पारंपरिक विकल्प अभी भी बरकरार हैं। 14 प्रतिशत लोग इन्हें चुनते हैं, इसके बाद 10 प्रतिशत नमकीन और 9 प्रतिशत लोग खाखरा जैसे मल्टीग्रेन स्नैक्स चुनते हैं। मीठे स्नैक्स भी विकसित हो रहे हैं, जबकि चॉकलेट भारत में हमेशा से पसंदीदा रहा है,। मूंगफली का मक्खन, हेजलनट और पिस्ता जैसे मेवे अब स्वाद और स्वास्थ्य के मिश्रण के कारण पसंद किए जा रहे हैं।

एक्सिस बैंक ने नीरज गंभीर को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने नीरज गंभीर को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 4 अगस्त से प्रभावी होगी। एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी है कि नीरज गंभीर की कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्ति 4 अगस्त से या भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बाद से प्रभावी होगी। नीरज गंभीर वर्तमान में समूह कार्यकारी, ट्रेजरी, बाजार और थोक बैंकिंग उत्पाद और वित्तीय क्षेत्र में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव रखते हैं। नीरज गंभीर की यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब एक्सिस बैंक के उप-प्रबंध निदेशक राजीव आनंद ने अगस्त में वर्तमान कार्यकाल पूरा होने के बाद अपना पद छोड़ने का फैसला लिया है। वह बैंक के बोर्ड में निदेशक के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करने के बाद 3 अगस्त को बैंक की सेवाओं से सेवानिवृत्त होंगे।

पेट्रोलियम डीलरों को भारत के ऊर्जा परिवर्तन में सक्रिय भागीदार बनना चाहिए : हरदीप पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अखिल भारतीय पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (एआईपीडीए) कॉन्क्लेव के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए देशभर के पेट्रोलियम डीलरों से भारत के ऊर्जा परिवर्तन में सक्रिय भागीदार बनने की अपील की। एआईपीडीए पेट्रोलियम रिटेल आउटलेट डीलरों का प्रतिनिधित्व करने वाला सबसे बड़ा राष्ट्रीय निकाय है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री ने एआईपीडीए कॉन्क्लेव के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए भारत के गतिशील ऊर्जा परिदृश्य के अनुरूप हरित पहलों को अपनाने, डिजिटल तत्परता बढ़ाने और व्यावसायिक मॉडल विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। हरदीप पुरी ने ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में पेट्रोलियम डीलरों की

महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए डीलर कमीशन, परिचालन लागत और अन्य मुद्दों से जुड़ी चिंताओं को भी स्वीकार किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्रालय टकराव नहीं, परामर्श में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि फीडबैक और शिकायत निवारण के लिए संरचित प्लेटफार्मों को और मजबूत किया जाएगा।

डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स में मामूली कमजोरी के बावजूद मुद्रा बाजार में रुपया आज डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 6 पैसे फिसल कर 86.15 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 86.09 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की मजबूती के साथ 86 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। मजबूत शुरुआत के बावजूद दिन के कारोबार के दौरान रुपये पर दबाव बढ़ता गया, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा 15 पैसे की कमजोरी के साथ 86.24 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गई। हालांकि इसके बाद डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी और मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने की वजह से रुपया निचले स्तर से 27 पैसे की रिकवरी करके 12 पैसे की मजबूती के साथ 85.97 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक भी आया। इसके बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण एक बार फिर डॉलर की मांग बढ़ गई, जिसके कारण भारतीय मुद्रा ओवरऑल 6 पैसे की कमजोरी के साथ 86.15 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। भारतीय मुद्रा आज डॉलर के साथ ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी

कमजोरी के साथ कारोबार करती रही। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 49 पैसे की गिरावट के साथ 115.80 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 47 पैसे की कमजोरी के साथ 100.23 (अनंतिम) के स्तर पर गिर गया।

देश में 30 साल पहले हुई थी पहली मोबाइल कॉल, कारोबारी मनाएंगे जश्नः कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में 30 साल पहले 31, जुलाई, 1995 को पहली बार मोबाइल कॉल के साथ मोबाइल टेलीफोनी की शुरुआत हुई थी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एमरा) और ऑर्गनाइज़्ड रिटेलर्स एसोसिएशन (ओरा) के संयुक्त तत्वावधान में 31 जुलाई को नई दिल्ली और कोलकाता में भव्य आयोजन किया जाएगा, जो भारत में मोबाइल टेलीफोनी की 30 वर्षों की यात्रा का उत्सव होगा।सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा मोबाइल कॉल के तीन दशक पूरे होने पर मोबाइल कारोबारी जश्न मनाने जा रहे हैं। इस दौरान दिल्ली में मोबाइल इतिहास प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इन वर्षों में मोबाइल उद्योग ने शुरुआती फीचर फोन से लेकर अत्याधुनिक एआई-सक्षम स्मार्टफोन तक का सफर तय किया है। खंडेलवाल ने कहा कि 31 जुलाई 1995 को भारत में पहली मोबाइल कॉल की गई थी, जो उस समय के केंद्रीय दूरसंचार मंत्री सुखराम और पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु के बीच हुई थी। यह क्षण भारत के मोबाइल युग की शुरुआत का प्रतीक बना। बीते तीन दशकों और विशेष रूप से पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम बाजार बन गया है। खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विशेष मोबाइल इतिहास प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें 1995 से 2025 तक के मोबाइल हैंडसेट्स की झलक देखने को मिलेगी, जिसमें शुरुआती फीचर फोन से लेकर अत्याधुनिक एआई-सक्षम स्मार्टफोन तक शामिल रहेंगे। इसमें पहली प्रदर्शनी 1995 से 2013 तक के पूर्ववर्ती सरकारों के अधीन नींव रखने वाला कालखंड होगा, जबकि दूसरा 2014 से 2025 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तेज़ी से हुई डिजिटल प्रगति का युग होगा। इस प्रदर्शनी में 2-जी से 5-जी तक नेटवर्क के विकास और यूपीआई, टेलीमेडिसिन, डिजिटल मनोरंजन, ई-कॉमर्स समेत विभिन्न क्षेत्रों में मोबाइल के नेतृत्व में आई क्रांतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल इंडिया, भारतनेट, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसी प्रमुख सरकारी पहलों की झलक दिखाई जाएगी, जिनके माध्यम से भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत डिजिटल पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि एक लाइव क्यूरेटेड प्रेजेंटेशन के माध्यम से मोबाइल फोन के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान की यात्रा को भी दर्शाया जाएगा। इस अवसर पर दूरसंचार, रिटेल और टेक्नोलॉजी क्षेत्र के प्रमुख उद्योग विशेषज्ञ भी इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। भारत की पहली मोबाइल कॉल कोलकाता में की गई थी, जो मोदी टेल्स्ट्रा नेटवर्क (भारत के मोदी समूह और ऑस्ट्रेलिया की टेल्स्ट्रा का संयुक्त उपक्रम) पर आधारित 2-जी नेटवर्क प्रणाली और नोकिया हैंडसेट के माध्यम से संभव हुई थी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटकर 696.672 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 3.05 अरब डॉलर घटकर 699.74 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 11 जुलाई को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.48 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक 11 जुलाई को समाप्त हफ्ते के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 49.8 करोड़ डॉलर घटकर 84.35 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.80 अरब डॉलर रहा। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 2.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.71 अरब डॉलर रह गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में उछलकर 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

रिलायंस रिटेल ने अमेरिकी कंपनी केल्विनेटर का अधिग्रहण किया

जेंसी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की रिलायंस रिटेल ने अमेरिकी कंपनी केल्विनटर के अधिग्रहण की घोषणा की। हालांकि, कंपनी ने इसका खुलासा नहीं किया कि ये सौदा कितने में हुआ। रिलायंस रिटेल की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि कंपनी का यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स मार्केट में अपनी स्थिति को मजबूत करने की स्ट्रेटजी का एक हिस्सा है। केल्विनटर को खरीदने का मकसद भारतीय घरों तक ग्लोबल लेवल के हाई क्वालिटी डिवाइसेज पहुंचाना है। केल्विनेटर को भारत में भरोसेमंद रेफ्रिजरेटर और द कूलेस्ट वन जैसी यादगार टैगलाइन के लिए

जाना जाता है। अब यह रिलायंस के बढ़ते पोर्टफोलियो का हिस्सा होगा। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा एम. अंबानी ने कहा, ''केल्विनेटर का अधिग्रहण महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमें भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्वसनीय वैश्विक नवाचारों की हमारी पेशकश को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाने में सक्षम बनाता है।''साल 1963 में भारतीय बाजार में कदम रखने वाली अमेरिकी कंपनी केल्विनेटर एक शताब्दी से भी अधिक समय से वैश्विक स्तर पर घरेलू उपयोग के लिए रेफ्रिजरेटर, एसी, कूलर, वॉशिंग मशीन बना रही है। इस कंपनी ने 1970-80 के दशक में गोदरेज और अल्विन के साथ मिलकर भारतीय बाजार पर राज किया। हालांकि, 90 के दशक में उदारीकरण के बाद एलजी और सैमसंग जैसे ग्लोबल ब्रांड्स के कॉम्पिटिशन के कारण इसकी चमक फीकी पड़ गई।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में गूगल और मेटा को ईडी का नोटिस, 21 जुलाई को पूछताछ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के आरोप में टेक दिग्गज गूगल और मेटा को नोटिस भेजा है। इन कंपनियों को 21 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स ने सट्टेबाजी ऐप्स को विज्ञापन के प्रमुख स्थान दिए और उनकी वेबसाइट्स को अपनी सेवाओं का जरिया बनाया, जिससे अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिला। यह जांच मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन जैसे गंभीर वित्तीय अपराधों से जुड़ी है। ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक बड़े नेटवर्क की जांच कर रहा है। कई ऐप्स खुद को 'स्किल बेस्ड गेम्स' बताकर अवैध सट्टेबाजी को बढ़ावा दे रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई की गई, जिसे हवाला चैनलों के माध्यम से छिपाया गया ताकि जांच से बचा जा सके। ईडी ने इन ऐप्स के विज्ञापनों को गूगल और मेटा के प्लेटफॉर्म्स पर प्रमुखता से प्रदर्शित होने का आरोप लगाया है, जिससे इनके यूजर्स बढ़े। पिछले हफ्ते, ईडी ने तेलुगु राज्यों में 29 मशहूर हस्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें अभिनेता विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, मंचू लक्ष्मी और अनन्या नगेला शामिल हैं। इसके अलावा, टीवी कलाकार, होस्ट और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे श्रीमुखी, श्यामला, वर्षिणी सौंदर्यराजन, वसंती कृष्णन, शोभा शेट्टी, अमृता चौधरी, नयनी पावनी, नेहा पठान, पांडु, पद्मावती, हर्षा साय और बय्या सनी यादव के नाम भी जांच में हैं। इन पर जंगली रम्मी, ए23, जीतविन, परिमैच और लोटस365 जैसे प्लेटफॉर्म्स के प्रचार का आरोप है, जो मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं। यह जांच पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट, 1867 और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हो रही है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई शुरू की। मार्च में, साइबराबाद पुलिस ने भी विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज सहित कई हस्तियों के खिलाफ अवैध सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार का मामला दर्ज किया था।

एचएएल की 'एक्सेसरीज' के निर्यात से राजस्व बढ़ाने की योजना : अधिकारी

एजेंसी

लखनऊ। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कंपनी विमानों और अन्य प्लेटफार्म से संबंधित सहायक उपकरणों (एक्सेसरीज) के निर्यात पर केंद्रित प्रयासों के माध्यम से अपने राजस्व को बढ़ाने की योजना बना रही है। अधिकारी ने चएएल के सहायक उपकरण प्रभाग में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सरकारी कंपनी द्वारा निर्मित 'प्लेटफार्म' और कलपुर्जे अब 'लगभग 30 देशों' तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि एचएएल पहले से ही सरकार के साथ मिलकर विमान प्रणालियों में घरेलू क्षमता को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। कंपनी अपने निर्यात क्षेत्र को भी बढ़ाने का प्रयास कर रही है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रक्षा क्षेत्र के इस सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) की योजना विमान और डोर्नियर डीओ-228 सहित अन्य संबंधित सहायक उपकरणों के निर्यात के माध्यम से राजस्व बढ़ाने की है। एचएएल के सहायक उपकरण विभाग में कार्यरत एक अधिकारी ने कहा, 'यह कॉरपोरेट स्तर पर केंद्रित प्रयासों का एक हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि यह विभाग दस्तावेजीकरण, बिक्री के बाद इंजीनियरिंग सहायता और सुधार संबंधी सेवाओं के माध्यम से इस रणनीति का समर्थन करता है। उन्होंने बताया कि एचएएल की लखनऊ इकाई ने लड़ाकू विमानों में इस्तेमाल होने वाला 'मुख्य ईंधन पंप' विकसित किया है।

लगातार दूसरे दिन गिरा शेयर बाजार, निवेशकों के 2.57 लाख करोड़ रुपये डूबे

एजेंसी

मंबई। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स 82,000 अंक के स्तर से भी नीचे पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 25,000 अंक के स्तर से नीचे गिर कर आज के कारोबार का अंत किया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत टूट कर बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मेटल और आईटी इंडेक्स में मामूली खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 458.30 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.87 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.57 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,208 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,660 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,390 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 158 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,651 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 938 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,713 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 65.62 अंक की कमजोरी के साथ 82,193.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 75.51 अंक की मजबूती के साथ 82,334.75 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स एक बार फिर गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11 बजे के करीब ये सूचकांक 651.11 अंक की गिरावट के साथ 81,608.15 अंक के स्तर पर पहुंच गया आ गया। हालांकि दिन के कारोबार में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इस सूचकांक की स्थिति में अधिक सुधार नहीं हो सका। कारोबार के आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 150 अंक की रिकवरी करके 501.51 अंक की गिरावट के साथ 81,757.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 2.90 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 25,108.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 33.15 अंक की मजबूती के साथ 25,144.60 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी लुढ़क कर दोबारा लाल निशान में गिर गया।

डेजी शाह

ने बिग बॉस 19 में शामिल होने पर तोड़ी चुप्पी, कहा- सभी अफवाहों को खत्म करते हुए...

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस फिर से चर्चा में आ गया है, जल्द ही इसका 19वां सीजन आने वाला है. हालांकि, शो में शामिल होने वाले सितारों का नाम लगभग सामने आ चुका है. इनमें ही सलमान खान की एक्ट्रेस डेजी शाह का भी नाम काफी सुर्खियों में था. अटकलें लगाई जा रही थी कि वो भी इस शो का हिस्सा होने वाली हैं. हालांकि, अब एक्ट्रेस ने खुद ही इन अफवाहों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर इसको लेकर स्टोरी शेयर की है.बिग बॉस 19 टीवी पर दस्तक देने के लिए तैयार है, इसके लिए कई सितारों को भी अप्रोच किया गया है. हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक कंटेस्टेंट की लिस्ट कंफर्म नहीं की गई है. लेकिन, कंटेस्टेंट को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई है. इन्हीं में बताया जा रहा था कि डेजी शाह भी शो में शामिल हो सकती हैं. लेकिन, डेजी ने अपने सोशल मीडिया पर स्टोरी शेयर कर के इन अटकलों को रोक दिया है.

क्या किया है पोस्ट ?

डेजी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए बताया है कि वो बिग बॉस में शामिल नहीं हो रही हैं और न कभी होंगी. उन्होंने लिखा है, सभी अफवाहों को खत्म करते हुए, मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं और शायद कभी नहीं करूंगी, धन्यवाद. एक्ट्रेस की इस स्टोरी के बाद से इस लिस्ट से उनका नाम बिल्कुल ही बाहर हो चुका है. हालांकि, एक्ट्रेस की करियर की बात करें, तो वो सलमान खान के साथ जय हो में नजर आई थीं.

गाने में दिखी थीं

हाल ही में डेजी भोजपुरी स्टार खेसारी लाल के साथ एक गाने में नजर आई थीं. कई लोग उन्हें भोजपुरी गाने में देखकर काफी शॉकड थे, तो कुछ को वो काफी पसंद भी आईं. वहीं रियलिटी शो की बात करें, तो डेजी खतरों के खिलाड़ी के 13वें सीजन में नजर आई थीं. हिंदी फिल्मों के साथ डेजी साउथ की फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं. हालांकि, एक्टिंग की बात की जाए, तो वो एक्टर से पहले कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट थीं, जिसके बाद से उन्हें साल 2011 में कन्नड़ मूवी भद्रा से एक्टिंग में एंट्री ली.

गाने में दिखी थीं

हाल ही में डेजी भोजपुरी स्टार खेसारी लाल के साथ एक गाने में नजर आई थीं. कई लोग उन्हें भोजपुरी गाने में देखकर काफी शॉकड थे, तो कुछ को वो काफी पसंद भी आईं. वहीं रियलिटी शो की बात करें, तो डेजी खतरों के खिलाड़ी के 13वें सीजन में नजर आई थीं.

कोई मेरी आंखों में 'गंगाजल' डाल दो...! अजय देवगन नया गाना लाए, लोगों ने रेडिट पर बवाल काट दिया?

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन जितना अपनी सीरियस एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, उतना ही फैंस उन्हें उनके कॉमिक अंदाज के लिए जानते हैं. अजय की कॉमेडी टाइमिंग कमाल की है. अब अजय की फिल्म सन ऑफ सरदार का दूसरा पार्ट जल्द ही रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म में काफी वक्त बाद अजय का वहीं कॉमिक अंदाज देखने को मिलेगा. फिल्म में इस बार अजय के साथ एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर भी हैं.

अजय की फिल्म का ट्रेलर आ चुका है और अब इस फिल्म के सॉन्स भी रिलीज किए जा रहे हैं.अजय की फिल्म का गाना पहला तू, दूजा तू जब रिलीज हुआ था, तो अपनी कोरियोग्राफी के लिए फैंस ने इस गाने और अजय देवगन, दोनों को खूब ट्रोल किया था. अब फिल्म का एक और गाना रिलीज हुआ, जिससे फैंस फिर से निराश नजर आ रहे हैं. साथ ही कई लोगों ने इस गाने के लिए अजय को ट्रोल कर दिया.

पॉ-पॉ सॉन्ग हुआ रिलीज

'सन ऑफ सरदार 2' का गाना पॉ-पॉ रिलीज हो गया है. ये गाना साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार में भी था. अब सेकेंड पार्ट में इस गाने को रीक्रिऐट किया गया है. इस रीक्रिऐट सॉन्ग पर फैंस दो तरह का रिएक्शन नजर आया. जहां कई फैंस को ये गाना खासा पसंद आया, वहीं कुछ फैंस को इस सॉन्ग में सलमान का ना होना खल गया. आपको बता दें, कि पिछले वाले सॉन्ग में सलमान खान ने कैमियो किया था, जिसे आज भी पसंद किया जाता है.

रेडिट पर ट्रोल हुए अजय देवगन

रेडिट पर अजय को फैंस ट्रोल कर रहे हैं. अजय के डांस स्टेप्स को काफी क्रिटिसाइज किया जा रहा है. वहीं कई लोगों का कहना हैं कि मेकर्स ने ये गाना डालकर उनका नॉस्टैल्जिया खराब कर दिया. एक यूजर ने लिखा- क्या जरूरत थी इस गाने का रीमेक करने की. वहीं दूसरे ने लिखा-ये किस किस्म के डांस स्टेप्स हैं भाई? हे भगवान, मैं नहीं चाहता कि मेरी चाइल्डहुड मेमोरी खराब हों. वहीं एक और यूजर ने लिखा- कोई मेरी आंख में गंगाजल डाल दो.

एक साथ 40 समोसे खा गई थी ये एक्ट्रेस, फिर भी फिटनेस ऐसी कि श्वेता तिवारी को भूल जाएंगे

फिल्मी दुनिया की ज्यादातर एक्ट्रेसेस अपनी फिटनेस का खास ख्याल रखती हैं. फिल्मों में अच्छा दिखने के लिए उन्हें अपने खान-पान का ख्याल अच्छे से रखना होता है. लेकिन जब भी फिट एक्ट्रेसेस की बात होती है तो 40 की उम्र पार कर चुकीं श्वेता तिवारी का जिक्र जरूर होता है लेकिन उनसे भी फिट दिखने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर हैं. सोनम ने कई बार बताया है कि वो फिट दिखने के लिए अपनी डाइट का ख्याल रखती हैं और जिम करती हैं. लेकिन एक बार उन्होंने बताया था कि वो 40 समोसे खा गई थीं लेकिन ये पॉसिबल कैसे हुआ ?

2019 में रिलीज हुई फिल्म 'द जोया फैक्टर' का प्रमोशन करने सोनम कपूर और दुलकर सलमान कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में पहुंचे थे. 'द कपिल शर्मा शो' में कपिल ने सोनम कपूर से कुछ अफवाहों को क्लियर करवाया. उसी में ये समोसे वाला सवाल पूछा था, जिसका जवाब सोनम ने दिया था कि उन्होंने इतने समोसे अगर खाए तो क्यों खाए ?

सोनम कपूर ने 40 समोसे एक साथ कैसे खाए ?

शो में कपिल शर्मा ने सोनम कपूर से पूछा, 'एक अफवाह है सोनम आपके बारे में कि एक बार आप 40 समोसे खा गई थीं.' कपिल ने हैरान होकर फिर पूछा, 'सोनमज 40 समोसे एक साथ, कैसे ?' इसपर सोनम ने हंसते हुए जवाब दिया था, 'वो छोटे टाइनी टाइप समोसे थे कॉकटेल वाले, वो छोटे से होते हैं ना वहीं जिसे बेबी समोसा भी कहते हैं. मुझे अच्छे लगे और मैं खाती गई, बाद में जब मैंने गिना तो वो इतने निकले, मैं भी हैरान थी लेकिन अच्छे लगे तो मैं खाती गई (हंसते हुए बोलीं).' इसी में कपिल ने ये भी कहा कि अगर बड़े समोसे होते तो ? इसपर सोनम ने कहा था, 'बड़े मैं एक ही खा पाती हूं या फिर बहुत अच्छा लग रहा तो दो, लेकिन बहुत साल हो गए मुझे बड़े समोसे खाए. वो 40 समोसे की बात भी तब थी जब मैं फिट नहीं थी, टीनएज में.'

डेब्यू से पहले फिट हुई थीं सोनम कपूर

40 साल की उम्र पार कर चुकीं सोनम कपूर की फिटनेस की हर लड़की कायल है. हर कोई उनकी फिटनेस की तारीफ करता है लेकिन एक समय था जब सोनम फिटनेस का बिल्कुल ख्याल नहीं रखती थीं. ये बात उनके टीनएज की है. सोनम ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि बचपन में वो सबकुछ खाती थीं लेकिन 15 की उम्र के बाद उन्हें बढ़ते वजन से प्रोब्लम होने लगी थी. फिल्म 'सांवरिया' से पहले उन्होनें डाइट की और फिट हुईं. 2007 में फिल्म 'सांवरिया' रिलीज हुई. उसके बाद से सोनम अभी भी फिल्मों में एक्टिव हैं.

15 की उम्र में बनीं एक्ट्रेस, 21 में भागकर की शादी, इस एक्ट्रेस का

श्रद्धा कपूर

से है खास रिश्ता

महज 10 साल की उम्र में इस एक्ट्रेस ने फिल्मों में काम करना शुरू किया था. बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट कई फिल्मों में नजर आईं. जबकि 15 साल की उम्र में उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी. 80 के दशक में कई फिल्में कीं और कई एक्टर्स के साथ बड़े पर्दे पर वो नजर आईं. अपनी फिल्मों के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहीं. वहीं उन्होंने महज 21 साल की उम्र में भागकर शादी की थी.इस एक्ट्रेस का शक्ति कपूर और उनकी बेटी श्रद्धा कपूर के साथ भी खास रिश्ता है. चलिए बता देते हैं कि आखिर ये अदाकारा कौन हैं. इनका नाम है पद्मिनी कोल्हापुरे. पद्मिनी, शक्ति की साली हैं और श्रद्धा की मौसी लगती हैं. चलिए आज आपको पद्मिनी के फिल्मी करियर और उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में बताते हैं.

10 साल की उम्र में शुरू किया अभिनय

1 नवंबर 1965 को पद्मिनी कोल्हापुरे का जन्म मुंबई में हुआ था. 10 साल की उम्र में पहली बार उन्हें फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देखा गया था. इसके बाद बतौर बाल कलाकार ही पद्मिनी ने 'सत्यम शिवम सुन्दरम', 'साजन बिना ससुराल', 'थोड़ी सी बेवफाई' जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

15 की उम्र में लीड एक्ट्रेस के रूप में आगाज

चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में कई बार बड़े पर्दे पर नजर आने वाली पद्मिनी जल्द ही लीड एक्ट्रेस बन गई थीं. उन्होंने 15 साल की उम्र में बतौर लीड एक्ट्रेस आगाज किया. उनकी पहली फिल्म थी 'जमाने को दिखाना है'. इसमें उन्होंने दिग्गज और दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के साथ काम किया था. इसके बाद एक्ट्रेस को फिल्म 'प्रेम रोग' (1982) में भी ऋषि कपूर के अपोजिट देखा गया था. अपने करियर में उन्होंने 'वो सात दिन', 'स्वर्ग से सुंदर', 'विधाता', 'प्यार झुकता नहीं', 'सौतन', 'प्यार के काबिल', 'दाता', 'फटा पोस्टर निकला हीरो' जैसी फिल्मों में भी काम किया.

प्रोड्यूसर से की भागकर शादी

पद्मिनी को अपनी ही फिल्म के प्रोड्यूसर प्रदीप शर्मा से प्यार हो गया था. हालांकि दोनों की फैमिली उनके रिश्ते के खिलाफ थी.

2 साल की ट्रेनिंग पर नौकरी, फिर परीक्षा ! बीजेपी ने बताया बेरोजगारों से छल

अपनी प्रतिभा और उच्च शिक्षा के आधार पर नोकरी प्राप्त करने वाले युवाओं को पहले 2 वर्ष के दौरान ही बाहर का रास्ता दिखाने की तलवार लटका रही

(सिरमौर)

सिरमौर जिला भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा ने हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार पर बेरोजगार युवाओं के लिए भर्ती नियमों में अनैतिक बदलाव कर उनके भविष्य के साथ घिनौना खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने शुरू के 2 वर्षों तक सरकारी नौकरी प्रशिक्षण आधार पर करने और उसके बाद पुनः परीक्षा देकर नियमित करने के संशोधित नियमों को बेरोजगार युवाओं के साथ भद्दा मजाक किया है। उन्होंने कहा कि इन संशोधित नियमों से सरकार की मंशा साफ हो गई है कि अपनी प्रतिभा और उच्च शिक्षा के आधार पर नोकरी प्राप्त करने वाले युवाओं को पहले 2 वर्ष के दौरान ही बाहर का रास्ता दिखाने की तलवार लटका रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सत्ता में आने के लिए इस सरकार ने प्रतिवर्ष 1 लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था परंतु 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के दौरान अभी तक रोजगार के नाम पर प्रदेश के युवाओं को ठेंगा दिखाया है और अब बेतुके नियम लागू करके अपनी प्रतिभा

के दम पर नौकरी प्राप्त करने वाले युवाओं को दो बर्षो के प्रशिक्षण कल के दौरान नौकरी से हटाने का रास्ता तैयार कर दिया है।

उन्होंने कहा कि इन नियमों के अनुसार यदि कोई युवा अपनी योग्यता और प्रतिभा के बलबूते सरकारी नौकरी प्राप्त करता है तो उसे दो वर्षों तक सरकारी नियमों के कोई लाभ नहीं मिलेंगे और ना ही वेतन वृद्धि होगी । इससे बेरोजगार युवाओं का सरकारी नौकरियों के प्रति न केवल मोह भंग होगा अपितु उनके भविष्य की चिंता और बढ़ गई है। मेलाराम शर्मा ने कहा कि सरकारी भर्ती नियमों में पहले ही दो वर्षों के लिए प्रोफेशनल पीरियड का प्रावधान है परंतु सुक्खू सरकार के इस बेतुके संशोधन के फरमान से अब 2 वर्षों तक प्रशिक्षण आधार पर नौकरी करने वाले कर्मियों पर नौकरी से बाहर करने की तलवार लटक गई है और ना ही 2 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्हें कोई सरकारी सेवा के लाभ मिलेंगे। उन्होंने सरकार से इस तुगलकी फरमान को तुरंत वापस लेने की अपील की है वरना प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवक युवतियों के भारी रोष के कारण इस सरकार को भर्ती नियमों में किए गए बेतुके संशोधन के गंभीर परिणाम भगतने पड़ेंगे।

पंजाब राज देहाती आजिविका मिशन की ओर से महिला सशक्तिकरण के लिए कई लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी गई

पठानकोट (कंवल)

पंजाब राज देहाती आजिविका मिशन की ओर से पंजाब के ग्रामीण स्तर पर रह रही महिलाओं के उत्थान, महिला सशक्तिकरण व अन्य लाभकारी योजनाओं के साथ जोडने के लिए कार्य जारी है, जिसके तहत नव पदौन्नत हुए जिला प्रोग्राम प्रबंधक राजेश कुमार ने रोशन मीनार क्लस्टर की पदाधिकारियों व सदस्यों से बैठक की तथा उनको सरकार की लाभ कारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। रोशन मीनार क्लस्टर की प्रधान प्रवीण कुमारी, आईपीआरपी नीरू बाला, मास्टर ट्रेनर नीलम कुमारी,स्नेहा देवी, संतोष कुमारी व अन्य ने सबसे पहले नव पदौन्नत हुए जिला प्रोग्राम प्रबंधक राजेश कुमार को केंद्र में आने पर बुक्के दे कर सम्मानित किया । जिला प्रोग्राम प्रबंधक राजेश कुमार ने क्लस्टर की पदाधिकारियों व सदस्यों को बताया कि सरकार की ओर से महिलाओं के विकास,उनके उत्थान व उनके परिवार की आय में बढौतरी करने के लिए कई योजनाओं को शुरू किया गया है, जिसके तहत महिलाओं को अपना कारोवार करने के लिए दो लाख रूपए की वितिय सहायता मिल सकती है। इस योजना के तहत महिलाएं, अपना बुटिक, ब्यूटी पार्लर, आचार बनाना, मुरब्बे बनाना, हाथ के बनाए हुए स्वेटर बनाना, आबंला से बने हुए प्रोडक्टों को तैयार करना व अन्य कई योजनाएं है। कौशल विकास योजना के तहत सरकार की ओर से आजिविका मिशन के तहत कई कार्यो के लिए निशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इस अवसर पर क्लस्टर की प्रधान प्रवीण कुमारी, नीरू बाला, नीलम देवी, सुनीता देवी , संतोष देवी, नेहा, अंजना, प्रेम लता, मधु, ज्योति बाला, सीता देवी, छवि कुमारी, स्नेहा व अन्य कई महिलाएं उपस्थित थी

मणिमहेश यात्रा के लिए श्री शिव भोले लंगर समिति ने पहला जत्था रवाना किया

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (कंवल)

मणि महेश जी की पावन यात्रा पर आने जाने वाले श्रद्धालुयों की सुविधा के लिए वहां पर खाना,पीना, ठहरना, चिकित्सा सुविधा देना व अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए श्री शिव भोले लंगर समिति रजि. मुकेरिया, शाहपुर कंडी की ओर से पहला पावन जत्था राशन के ट्रक सहित रवाना किया गया। पहले जत्थे व राशन के ट्रक को रवाना करने से पहले समिति रजि. की ओर से हवन यज्ञ किए गए तथा पूर्ण आहूतियां डाल कर पूरे विश्व के लिए शांति व विकास के लिए अराधना की गई। बाद में उपस्थित संगत ने हर हर महादेव जी के नाम के जयघोष करके, पूरे क्षेत्र को पावनमय बना दिया। श्री शिव भोले लंगर समिति रजि. के अध्यक्ष विजय ओहरी, चेयरमैन बरजिंदर अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आदर्श शर्मा, तारा सलारियां, विनोद शर्मा, अशोक शर्माख सुरजीत सिंह व अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी लंगर समिति की ओर से यह पावन श्री मणिमहेश की यात्रा के लिए २७वां वार्षिक लंगर के लिए कार्य किया जा रहा है, जो कि पावन श्री मणि महेश जी के हडसर व श्री गौरी कुंड पर अपना लंगर लगाए गें। इस लंगर में उनकी समिति की ओर से आने जाने शिवभक्तों के लिए रहने, खाने, ठहरने, शौचालयों, चिकित्सा , बच्चों के लिए दूध व अन्य सेवाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि उनकी समिति की ओर से नौ अगस्त से पावन स्थल पर श्रद्धालुयों के लिए लंगर , रहने, ठहरने व अन्य व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी जो तीस अगस्त तक चलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा गांधी परिवार 'कराह' रहा : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा में विपक्ष के हल्के नेता राहुल गांधी को भारत की चिंता कम, पाकिस्तान की फि क्र ज्यादा रहती है। तभी, ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार 'कराह' रहा है।उप मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि भारतीय सेना का बार-बार अपमान कांग्रेस इसलिए करती है ताकि पड़ोसी भाईजान पाकिस्तान को खुश किया जा सके।दरअसल, सत्ता की बेदखली ने कांग्रेस की मति मार दी है। इसलिए वह दुनिया के ऐसे भ्रमित नेताओं की ओट लेने को मजबूर है जो अपने बयानों पर स्थिर नहीं रहते हैं। अपने गांधी की तरह कतई वह भी अस्थिर चित्त वाले हैं। सच यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व ने केवल पाकिस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया के उन नेताओं की भी नींद उड़ा दी है जो अपने को तुर्रमखां समझते थे।

छन्नी गांव में नशा तस्कर पर बड़ी कार्रवाई

पठानकोट (करूनीत रंधावा)

पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत आज नशा माफिया के खिलाफ बड़ी कार्यवाही अमल में लाते हुये पंजाब- हिमाचल प्रदेश सीमा पर चक्की नदी से सटे और पुलिस थाना डमटाल के अधीन पड़ते गांव छन्नी में आकाशदीप पुत्र श्री सरफु सिंह निवासी गांव व डा० मैहतावपुर तहसील मुकैरियां जिला होशियारपुर, पंजाब जो अपने ससुराल गांव छन्नी में ही रहता है, के रिहायशी मकान गांव छन्नी में छापामारी के दौरान 7.06 ग्राम हैरोईन चिट्टा बरामद करने में

सफलता हासिल की है। जिस पर उपरोक्त आरोपी को गिरफतार कर-के उसके खिलाफ अभियोग संख्या 94/25 दिनांक 19.07.25 अधीन धारा 21 एनडीपीएस एक्ट अधिक मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त अभियोग में नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। भविष्य में भी नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ जिला पुलिस नूरपुर का अभियान जारी रहेगा।

पठानकोट में वन महोत्सव के तहत नेचर पार्क और नानक बगीची का उद्घाटन

पठानकोट(करुनीत रंधावा)

जिला स्तरीय वन महोत्सव समारोह के अंतर्गत आज पठानकोट जिले में विभिन्न स्थानों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मलिकपुर चौक, पठानकोट स्थित ह्यनानक बगीचीह्व तथा कोटली में निर्मित ह्यनेचर पार्कह्व का उद्घाटन कर इन्हें जनता को समर्पित किया गया। समारोह में माननीय कैबिनेट मंत्री पंजाब श्री लाल चंद कटारूचक मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ पठानकोट वन मंडल अधिकारी श्री धर्मवीर सिंह, डॉ. दलजीत चौहान, डॉ. विबू प्रताप, नीतू चौहान, डॉ. मनोज गुप्ता, संदीप कुमार (ब्लॉक अध्यक्ष), सोहन लाल, बलजिंदर कौर और आम आदमी पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत कोटली में नव-निर्मित नेचर पार्क के उद्घाटन से हुई, जहां श्री कटारूचक ने ह्यनानक गार्डनह्व का भी लोकार्पण किया और पौधारोपण कर उपस्थित लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। इसके उपरांत मलिकपुर चौक में विकसित नानक गार्डन में भी पौधारोपण किया गया, जहां उन्होंने विशेष रूप से त्रिवेणी (बोहड़, पीपल और नीम) के पौधे लगाकर प्राकृतिक संतुलन और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्री कटारूचक ने घोषणा की कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित करते हुए राज्य सरकार ने प्रत्येक जिले में कम से कम 3.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में 5 जिलों में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों के दोनों ओर 500 मीटर के क्षेत्र में फूलदार पौधे लगाए जाएंगे, जिसमें पठानकोट भी शामिल है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब के सतत विकास और हरित क्रांति की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। डीएफओ पठानकोट श्री धर्मवीर दैरू (क्कह्र) ने जानकारी दी कि मलिकपुर चौक की यह भूमि पूर्व में खाली और गंदगी से ग्रस्त थी, जो अब एक सुंदर ह्यसूक्ष्म वनह्व में परिवर्तित हो चुकी है। यहाँ लगभग 800 पौधे लगाए गए हैं, जिनमें 45 विभिन्न प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष जिले में 200 नानक बगीचियाँ विकसित की गई थीं और इस वर्ष 60 और नानक बगीचियाँ तैयार की जाएंगी, जिनका मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों और बंजर भूमि का हरित विकास है। इस वर्ष वन विभाग का लक्ष्य कुल 6 लाख पौधे लगाने का है, जिसमें से 3.5 लाख पौधे गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित किए जाएंगे। इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, स्कूली बच्चों, जिला प्रशासन, तथा वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी साझा जिम्मेदारी निभाई। पूरे समारोह के दौरान पर्यावरण को लेकर लोगों में विशेष उत्साह और जागरूकता का माहौल देखने को मिला।

110वें दिन भी शाहपुर कंडी बांध विस्थापितों का धरना जारी

पठानकोट (करुनीत रंधावा)

शाहपुर कंडी में डैमज प्रशासन के चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर बैराज बांध की बनी हुई झील से विस्थापित हुए परिवारों ने अपने रोजगार व अन्य मुआवजों की मांग को लेकर 110वें दिन भी अपनी भूख हडताल व रोष प्रदर्शन बैराज बांध औसती संघर्ष कमेटी शाहपुर कंडी के बैनर तले जारी रखा । आज 110वें दिन पर

उमेश कुमार शाहपुर कंडी, सैफुदीन कोट, प्रवीण कुमार शाहपुर कंडी, सलीम अली कोट व काका कोट ने अपनी भूख हडताल जारी रखी। रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि पुरानी आर एंड आर पालिसी को बहाल किया जाए , उनका बनता रोजगार दिया जाए व पुनार्वास मुआवजा दिया जाए । इसके साथ ही विस्थापित परिवारों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उनकी उचित मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वह तीस जुलाई को बांध कार्यालयों के बाहर फिर से विशाल रोष प्रदर्शन व धरना देगें। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी , कर्मचारी नेता जसवंत संधू, सुरजीत सिंह, रोहित कुमार, रविंद्र, रजत बलोतरा हरनाम सिंह, जसविंदर सिंह, चैन सिंह, विनोद कुमारी, बीतू देवी,सुदेश कुमारी, यशोदरा देवी,रमेश कुमार ,कुलदीप शर्मा, अंशू शर्मा ,बेल मुरगत , पवन कुमार व अन्य उपस्थित थे।

चूड़ेश्वर सेवा समिति" की केंद्रीय कार्यकारिणी की चौपाल में हुई बैठक

चौपाल

चूड़ेश्वर सेवा समिति की नवगठित केंद्रीय कार्यकारिणी की पहली बैठक रविवार को चौपाल में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष बी.एम. नंटा ने की, जबकि संचालन महासचिव डॉ. सुनील कमल ने किया। बैठक की शुरूआत पूजा-अर्चना से की गई, जिसके बाद सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। इस दौरान समिति के भावी कार्यक्रमों, सेवा कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने, नियमित गतिविधियों के संचालन और जनसेवा को प्राथमिकता देने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्ष बी.एम. नंटा ने समिति को जनसेवा के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए सभी सदस्यों से समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में विभिन्न उपसमितियों के अध्यक्षों द्वारा अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए तथा सदस्यों की

जिम्मेदारियाँ तय की गईं। भंडारा समिति की प्रस्तुतिःभंडारा समिति के अध्यक्ष अमर सिंह ने चूड़धार में चल रहे भंडारे की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार भंडारे में शाम को चाय तथा सुबह चाय और हलवा श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने भंडारा संचालन के लिए सोलर लाइट की मरम्मत और वैकल्पिक बिजली व्यवस्था की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस बार दो दिन श्रद्धालुओं को लंगर में सिडकू और घी भी वितरित किया गया। साहित्य सृजन व प्रचार-प्रसार पर जोरः केंद्रीय कार्यकारिणी के पूर्व अध्यक्ष हीरानंद मेहता ने समिति को और प्रभावी बनाने के सुझाव दिए।

वहीं, साहित्य सृजन एवं प्रशासन उप समिति के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चौहान और उपाध्यक्ष डॉ. शिव भारद्वाज ने बताया कि शिरगुल महाराज पर शीघ्र ही एक पुस्तक तैयार की जाएगी, जो अगले वार्षिक सम्मेलन से पूर्व प्रकाशित कर दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, शिरगुल महाराज से संबंधित एक पंपलेट व होर्डिंग लगाने की बात भी रखी गई ताकि श्रद्धालुओं को उनके इतिहास की जानकारी मिल सके। समिति की डिजिटल उपस्थिति के तहत फेसबुक पेज और वेबसाइट निर्माण का सुझाव भी दिया गया। अन्य विचार और भागीदारीःइस अवसर पर प्रचार प्रसार समिति के सदस्य सतपाल ठाकुर, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता उप समिति के अध्यक्ष चंद्र मोहन ठाकुर, गऊ संरक्षण उप समिति के अध्यक्ष बाबूराम शास्त्री, महेन्द्र शर्मा, कृष्ण दत्त शर्मा, चौपाल यूनिट के अध्यक्ष प्रताप नेगी सहित कई अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।बैठक में केंद्रीय कार्यकारिणी की उपाध्यक्ष प्रदीप बन गई, पूर्व महासचिव ग्यार सिंह नेगी, रविंद्र चंदेल, पवन पटियाल, योगेश आष्टा, भूपेंद्र मेहता, काशीराम समता, नारायण चौहान, हरिंदर ठाकुर, देवेंद्र शर्मा, रजनी बाला, जाति राम चौहान सहित समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

हज जाने को 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

प्रयागराज। हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई 7 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन किये जाने के सम्बन्ध में घोषणा की जा चुकी है। ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। यह जानकारी रविवार को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कृष्ण मुरारी ने दी।

उन्होंने बताया कि हज-2026 के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के सम्बंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी जारी किया गया है।

हज-2026 के आवेदन के लिए हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई ने 7 से ऑनलाइन आवेदन करने की घोषणा कर चुकी है। ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई है।

जाने क्या है आवेदन करने की शर्तें

आवेदन के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश निर्गत किये गये है, जिसके अनुसार पासपोर्ट मशीन पठित होना चाहिए, हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा तथा आवेदन की अन्तिम तिथि 31 जुलाई या उससे पूर्व का हो, जिसकी वैद्यता तिथि 31 दिसम्बर 2026 तक होना अनिवार्य है।

हज-2026 के लिए समान्य 40 दिवस की यात्रा के अतिक्ति छोटी 20 दिवसीय हज यात्रा हेतु आवेदन करने का विकल्प रखा गया है जिसमें कम सीटें उपलब्ध है एवं व्यय अधिक होने की सम्भावना है तथा ऐसा विकल्प चयनित करने वालों हेतु केवल सात उड़ान स्थल निर्धारित है।

नूरपुर में 17 बेघर परिवारों को मिला आशियाना, चेहरों पर लौटी मुस्कान

नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर आशियाने उजड़ जाने का जो दुःख काफी सालो से था उसका दर्द नूरपुर के वेटे विधायक रणबीर सिंह निक्का ने समझा ' आज ऐसे 17परिवार जिनकी आँखों में आज से फिर से आशियाने बनने की खुशी चेहरे पर नजर आई' आखिरकार किसी विधायक ने उनके सपनों को धरातल लाने का प्रयास किया ' इन परिवारों को यह आशा जगी कि हमारे पक्के मकान भी बन जाएंगे' जो किसी समय बरसात के शुरू होते ही भूस्खलन के डर से सोते नहीं थे ' ऐसे परिवारों को बीजेपी सरकार मे मानवता के तौर पर खाली सरकारी आवासों में शिफ्ट कर गया दिया था

अपने परिवारों के साथ अस्थाई रूप में रह रहे थे' इस संबंध में ऐसे परिवारों का एक प्रतिनिधिमंडल भाजपा विधायक रणवीर सिंह निक्का से आज कण्डवाल में उसके कार्यालय में शिष्टाचार के नाते से आभार प्रकट करने गया ' प्रतिनिधि मंडल का भाजपा विधायक रणवीर सिंह निक्का ने स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्य आप सबके विश्वास व सहयोग और हम सब की मेहनत रंग लाई जिस कारण आपका यह सपना साकार हुआ है 'नूरपुर नगर परिषद वार्ड नंबर 9 के भूस्खलन प्रभावित परिवारों के सदस्य जिन्हें कुछ दिन पहले राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटित की गई है' आज नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रणबीर सिंह निक्का से मिलने उनके जनसंपर्क कार्यालय में आए और मिठाई बांटकर अपनी खुशी व्यक्त की।इस दौरान प्रभावित परिवारों ने मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सूखू व बीजेपी विधायक रणबीर सिंह निक्का का भूमि आवंटित करवाने के लिए धन्यवाद किया' इस कार्य में नगर परिषद पार्षद वार्ड नंबर 9 की नगर पार्षदा शालनी का भी काफी योगदान है जिन्होंने परिवार के सपने को साकार करने के लिए पूरा जोर लगाया ' उन्होंने कहा कि यह गैर राजनीतिक नजरिये का कार्य है इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए ' इस मामले में उन्होंने काग्रेस मित्रों को भी सहयोग देने की बात कही है ' उधर कांगड़ा चंबा लोकसभा सांसद डॉ राजीव भारद्वाज ने भी इस मामले में रणवीर सिंह निक्का के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जो वायदा विधानसभा के चुनाव में किया था कि वह नूरपुर के बेटे हैं उसको पूरा किया है' लिखनी है कि नूरपुर के राजनीति में रणवीर सिंह का ऐसे विधायक निर्वाचित हुए हैं उनके आगे कोई भी नूरपुर विधानसभा क्षेत्र का नेता आगामी चुनाव लड़ने की हिम्मत आज के दौर मे नहीं रखता'

75 हजार नौवीं में तो सवा लाख 11वीं के छात्रों को मिलेगी की छात्रवृत्ति

महोबा। केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से संचालित प्रधानमंत्री युवा अचीवर्स छात्रवृत्ति (पीएम यशस्वी) योजना से मेधावी छात्रों को लाभान्वित किया जाएगा। ओबीसी, आर्थिक रूप से कमजोर और घूमंतु जनजातियों के छात्रों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397